

रिशतों की सिलाई
अगर भावनाओं से
हुई है तो टूटना
मुश्किल है और
अगर स्वार्थ से हुई
है, तो टिकना
मुश्किल है।



Freedom Of Speech

संपादक-नागेश नखरिया

वर्ष 8, अंक-34

www.yuvapradesh.in

भोपाल, शुक्रवार 29 सितम्बर 2023

ypnews24@gmail.com

पृष्ठ -8

मूल्य 2 रुपये

किसी भी भूमि की रजिस्ट्री कब अवैध या शून्य हो सकती है जानिए/legal advice....

अगर कोई रजिस्ट्री मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 165 की उपधारा 01 से 09(ख) के नियमों का उल्लंघन करने की गई है तो येसी रजिस्ट्री पूर्ण रूप से शून्य हो सकती है जानिए।
मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता, 1959 की धारा 165 की उपधारा 10 की परिभाषा ?

भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 में विनिर्दिष्ट नियम के होते हुए अगर कोई रजिस्ट्रीकरण करने वाला अधिकारी मध्यप्रदेश भू राजस्व संहिता की धारा 165 की उपधारा 01 से लेकर 09(ख) तक के नियमों का उल्लंघन करके करता है या कोई वर्तमान में लागू विधि के उल्लंघन कर के रजिस्ट्री करता है तब येसी रजिस्ट्री कानूनी तौर शून्य एवं अवैध होगी। साधारण शब्दों में कहें तो येसी भूमि की खरीदी भूमि का रजिस्ट्री रद्द हो सकती है जिसका कपट, छल या धोखाधड़ी से नामांतरण हुआ था, किसी बंधन भूमि का नामांतरण किया गया था, सरकारी भूमि निवास के लिए दी गई हो, नजूल की भूमि, सरकार की कोई भी भूमि, अनुसूचित जनजाति की भूमि बिना कलेक्टर की अनुमति से आदि।



लेखक बीआर अहिरवार
(पत्रकार एवं विधिक
सलाहकार होशंगाबाद)
9827737665

अवैध तरीके से किसी व्यक्ति को आवास देने वाले अधिकारी के खिलाफ क्या किया जा सकता है जानिए/MP-PSCP Act.....

मध्यप्रदेश विनिर्दिष्ट भ्रष्ट अधिनियम की धारा 32 ख ऐसे व्यक्ति को दण्डित करती है जो तथ्यों को छिपाकर किसी व्यक्ति को आवास, भूमि आवंटित कर देता है अर्थात वास्तविक व्यक्ति को भूमि या आवास का लाभ न देकर किसी अन्य व्यक्ति को आवास योजना का लाभ दिलवा देना। लेकिन अगर कोई आवास आवंटन करने वाला व्यक्ति किसी ओर प्रकार से भ्रष्टाचार करता है तो उसके खिलाफ एक नई धारा के अंतर्गत मामला दर्ज होगा जानिए।

मध्यप्रदेश विनिर्दिष्ट भ्रष्ट आचरण निवारण अधिनियम, 1982 की धारा 32(ग) की परिभाषा?

जो कोई व्यक्ति राज्य सरकार के अधीन होकर जिसका कार्य भूमि, भू-खंड, गृह, आवास या फ्लैट आदि का आवंटन करता है जो बेईमानी, दोषपूर्ण भावना, कपटपूर्ण, या किसी अन्य तरफ से भ्रष्टाचार करके आवंटित कर देता है वह व्यक्ति उक्त अधिनियम की धारा 32(ग) के अंतर्गत दोषी होगा। साधारण शब्दों में कहें तो कोई भूमि आवंटित करने वाला अधिकारी किसी व्यक्ति से रिश्तत लेकर या भेदभाव आदि की भावना करने किसी अन्य व्यक्ति के नाम से आवास योजना में लाभ दिलवा देता है तो वह उपर्युक्त अधिनियम की धारा 32(ग) के अंतर्गत दोषी होगा।

Provision of punishment under section xw(C) of the Madhya Pradesh Specified Corrupt Practices Prevention Act, 1982?

यह अपराध संज्ञेय एवं जमानतीय अपराध हैं लेकिन अधिकारी पर मामला दर्ज करने से पहले सक्षम उच्च अधिकारी या समुचित सरकार से अनुमति प्राप्त करना आवश्यक है, इनकी सुनवाते किसी भी न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा की जा सकती है।

सजा इस अपराध के लिए अधिकतम तीन वर्ष की कारावास या जुर्माना या दोनों से दण्डित किया जा सकता है।

अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा प्राप्त सुझावों पर होगा अमल: मुख्यमंत्री



भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि विभिन्न संवर्ग के अधिकारियों-कर्मचारियों के कल्याण के लिए राज्य सरकार ने संवेदनशील होकर महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। नियमित कर्मचारियों के साथ ही अन्य प्रकार की सेवाओं में संलग्न अमले के हितों का ध्यान रखा गया है। शासकीय सेवकों को लाभान्वित करने के लिए प्राप्त नए सुझावों पर भी अमल किया जाएगा। इस क्रम में ग्रेड पे संबंधी और अन्य सुझावों के लिए आवश्यक हुआ तो समिति गठित की जाएगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान आज उनसे भेंट करने आए अधिकारियों-कर्मचारियों के विभिन्न प्रतिनिधियों से चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान से आज मुख्यमंत्री निवास में मध्य प्रदेश प्रशासनिक सेवा संघ, मध्य प्रदेश राजस्व अधिकारी संघ और मंत्रालय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों ने भेंट की। श्री राजेश गुप्ता, श्री राजेन्द्र जैन और श्री सुभाष वर्मा के नेतृत्व में इन प्रतिनिधि मंडल में शामिल पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री श्री चौहान का अब तक लिए गए कर्मचारी कल्याण निर्णयों के लिए आभार भी व्यक्त किया।

भोपाल में बनेगा महाराणा प्रताप स्मारक, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने किया शिलान्यास भावी पीढ़ी को सही इतिहास पढ़ाना है राज्य सरकार का दायित्व : मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राज्य सरकार का दायित्व भावी पीढ़ी को सही इतिहास पढ़ाना है। वीरता की प्रतिमूर्ति महाराणा प्रताप की कष्ट सहकर भी राष्ट्रधर्म निभाने की प्रतिज्ञा ने भावी पीढ़ियों को प्रेरित किया है। महाराणा प्रताप की जीवनी, राष्ट्र भक्ति, और उनके बलिदान को महाराणा प्रताप लोक के रूप में भावी पीढ़ी के सामने लायेंगे। इससे भावी पीढ़ी को सही प्रेरणा और दिशा मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री चौहान भोपाल के तात्या टोपे स्टेडियम के पास महाराणा प्रताप स्मारक के शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महाराणा प्रताप स्मारक का शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वराज्य और राष्ट्र धर्म की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले महाराणा प्रताप का नाम इतिहास में वीरता, शौर्य, त्याग, पराक्रम और दृढ़ प्रण के लिए अमर है। उनके जीवन-मूल्यों, देश भक्ति और सामाजिक समरसता से समर्पित महाराणा प्रताप स्मारक भावी पीढ़ी को सही प्रेरणा और दिशा देगा। बुंदेलखंड के गौरव महाराज छत्रसाल जी के योगदान और अवदान को याद करते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने घोषणा की कि महाराज छत्रसाल के समाधि स्थल मऊ सहानिया (छतरपुर) में उनके जीवन पर भव्य स्मारक बनाया जाएगा। साथ ही धुबेला में वर्तमान संग्रहालय का सुसज्जीकरण और विकास किया जाएगा।



बचपन से वीर थे महाराणा प्रताप

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने महाराणा प्रताप की वीरता का उल्लेख करते हुए कहा कि वे बचपन से ही साहसी थे। महाराणा प्रताप ने मेवाड़ के शासक के रूप में बागडोर संभाली। युद्धभूमि में महाराणा को देख मुगलों के पसीने छूट जाया करते थे। महाराणा प्रताप ने मुगल साम्राज्य की विस्तारवादी नीति का विरोध किया और वर्ष 1576 में हल्दीघाटी के युद्ध सहित अकबर के खिलाफ कई बड़े युद्ध वीरतापूर्वक लड़े। ग्वालियर के रामशाह तंवर और उनके पुत्र, हाकिम खौं सूर और भामाशाह ने अपने प्राणों को दांव पर लगा दिया था। महाराणा प्रताप मुगलों के सामने कभी नहीं झुके। महाराणा प्रताप स्मारक मुख्यमंत्री श्री चौहान के जनमानस से जुड़े रहने के भाव और दूरदर्शिता का परिणाम - केंद्रीय मंत्री श्री तोमर केंद्रीय कृषि मंत्री श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि महाराणा प्रताप स्मारक मुख्यमंत्री श्री चौहान के जनमानस से जुड़े रहने के भाव और दूरदर्शिता का परिणाम है।

कलेक्टर-एसपी ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

जबलपुर। कलेक्टर सौरभ कुमार सुमन एवं पुलिस अधीक्षक तुषार कांत विद्यार्थी ने आज ईद मिलादुन्नबी एवं अनन्त चतुर्दशी के मौके पर शहर के विभिन्न क्षेत्रों का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पुलिस कंट्रोल रूम से घमापुर, हनुमानताल, मिलौनीगंज और ओमती तक काफिले के साथ भ्रमण करने के बाद दोनों अधिकारी नया मोहल्ला से मालवीय चौक तक पैदल चले। इस बीच स्थानीय नागरिकों द्वारा उनका स्वागत किया गया तथा उन्हें ईद की बधाई भी दी गई। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक तय्यार के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाये रखने तैनात पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारियों से भी चर्चा की।



मतदानकर्मी चुनाव संबंधी बारीकियों को गंभीरता से ग्रहण करें - कलेक्टर

विदिशा। आगामी विधानसभा निर्वाचन 2023 के लिये जिले की पांचों विधानसभाओं के मतदानकर्मीयों के लिए एक साथ दो- दो पालियों में शुरू हुआ। यह प्रशिक्षण 30 सितम्बर तक दो पालियों में संचालित होगा। कलेक्टर



एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमाशंकर भार्गव ने प्रशिक्षणार्थियों से कहा कि कर्मचारी चुनाव की प्रक्रिया की बारीकियों को समझें। निर्वाचन संबंधी तमाम जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्ति के उपरांत ही प्रशिक्षण हाल छोड़े। यदि कोई जानकारी समझ में नहीं आती है तो निःसंकोच प्रश्न पूछकर उसका समाधान प्राप्त करें। उन्होंने कहा कि चुनाव कार्यों में गलती नहीं होना चाहिये, चुनाव कार्य में गलती हुई तो क्षम्य नहीं होगी। कलेक्टर ही उमाशंकर भार्गव ने कहा कि आगामी प्रशिक्षण में शामिल होने वाले सभी प्रशिक्षणार्थी दो-दो पासपोर्ट साइज की फोटो लेकर आएं ताकि निर्वाचन आयोग के परिचय पत्र उन्हें सुगमता से जारी हो सकें। कलेक्टर श्री भार्गव ने कहा कि निर्वाचन आयोग के दिशा निर्देशों से भी मतदानकर्मी भलीभांति अवगत रहें।

राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के शुभ अवसर पर भव्य आयोजन किया गया



नर्मदापुरम। शासकीय नर्मदा महाविद्यालय नर्मदा पुरम की राष्ट्रीय सेवा योजना बालिका इकाई द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस के शुभ अवसर पर भव्य आयोजन किया गया कार्यक्रम अधिकारी डॉक्टर इरा वर्मा ने विद्यार्थियों को अपने उद्बोधन में कहा की सामाजिक दायित्वों की पूर्ति राष्ट्रीय सेवा योजना से जोड़कर ही आज के युवा कर सकते हैं प्राचार्य डॉ ओ एन चौबे जी ने व्यक्तित्व विकास का राष्ट्रीय सेवा योजना सशक्त माध्यम है तथा राष्ट्रीय सेवा योजना से जोड़कर ही सामाजिक दायित्वों की पूर्ति युवा विद्यार्थी कर सकते हैं कार्यक्रम में महाविद्यालय के विभिन्न विभाग अध्यक्ष डॉक्टर संजय चौधरी डॉक्टर सीताराम हारने डॉक्टर रवि उपाध्याय डॉ राजेश दीवान डॉ बी एल राय डॉक्टर हंस व्यास तथा समस्त महाविद्यालय के स्टाफ तथा विद्यार्थी उपस्थित रहे ,श्री चेतन अहिरवार के नेतृत्व में राष्ट्रीय सेवा योजना वाले कार्य द्वारा मतदाता जागरूकता पर नाटक का मंचन किया गया जिसमें आकांक्षा शर्मा रूप शिवम सैनी रूप राजेश चौहान रूप ने भाग लिया।

भारतीय हिन्दू महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा गुजरात प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त।



भोपाल। भारतीय हिन्दू महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विशाल ठाकुर जी द्वारा गुजरात प्रदेश अध्यक्ष श्री आशीष जोशी जी की अनुशंसा पर एवं युवा शाखा प्रदेश अध्यक्ष गुजरात श्री प्रकाश भाई पटेल जी की सहमती से श्री मयंक सैन जी को प्रदेश सचिव (मध्यप्रदेश) एवं राधिका सेन जी को प्रदेश उपाध्यक्ष महिला शाखा (मध्यप्रदेश) और प्रियंका पानीग्राही जी को जिला अध्यक्ष महिला शाखा जिला नोसारी (गुजरात) के पद पर नियुक्त किया गया।

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम मूल्यांकन परीक्षा संपन्न

संवाददाता हल्के वीर

देवरी। आज दिनांक 24/ 9/ 2023 को इकाई चीकली में शासन द्वारा चलाई जा रही नवभारत साक्षरता अभियान के तहत साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा संपन्न कराई गई। इस नवभारत साक्षरता अभियान में ऐसे वृद्ध असाक्षर महिला पुरुषों को सम्मिलित किया जाता है, जो बिल्कुल भी पढ़े-लिखे नहीं है। शासन द्वारा उनको साक्षर किया जाता है और एक निश्चित समय में साक्षरता मूल्यांकन परीक्षा संपन्न कराई जाता है। ऐसी ही परीक्षा एकीकृत शासकीय माध्यमिक शाला चीकली में संपन्न कराई गई। इस कार्यक्रम को संपन्न करने के लिए साक्षर साधियों को सम्मिलित किया जाता है जो कि उनको साक्षर करते हैं। नवभारत साक्षरता कार्यक्रम मूल्यांकन परीक्षा के दौरान श्री विनोद कुमार दुबे (साक्षरता ब्लॉक समन्वयक), श्री राम लोचन रघुवंशी (जन शिक्षा केंद्र समन्वयक), श्री नारायण सिंह रघुवंशी (परीक्षा केंद्र अधीक्षक), श्रीमती नीता ठाकरे जी, श्री महेश ठाकुर जी निरीक्षक के तौर पर उपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर साक्षर साधियों में श्री बृजेश नामदेव, श्री हल्के वीर, कुमारी विनीत ठाकुर उपस्थित रहीं।

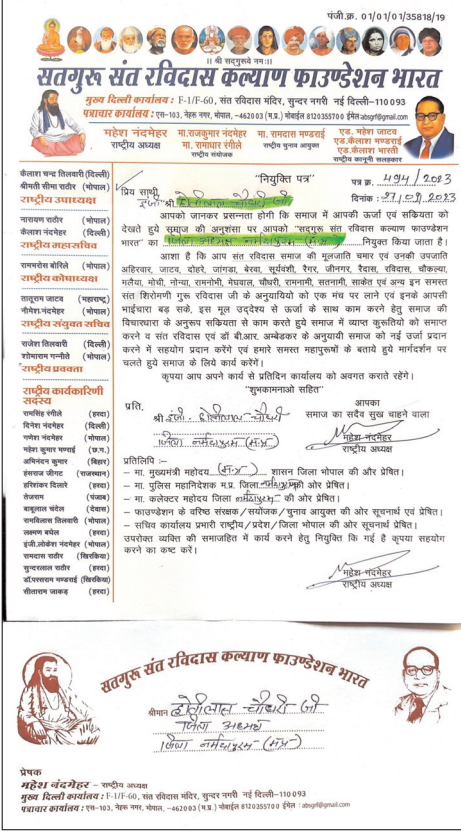


सतगुरु संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के नर्मदापुरम जिलाध्यक्ष बने इंजीनियर होतीलाल चौधरी

मूलचंद मेधोनिया पत्रकार भोपाल



पिपरिया। नर्मदापुरम जिले की विधानसभा क्षेत्र पिपरिया के रविदासिया समाज के उभरते सितारे चौधरी समाज के नव युवा इंजीनियर होतीलाल चौधरी को सतगुरु संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत की महापंचायत के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय श्री महेश नंदमेहर जी ने श्री चौधरी के सराहनीय कार्यों को द्रष्टिगत रखते हुए एक होनहार युवा नेता को नर्मदापुरम जिले का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। फाउंडेशन भारत का एक बड़ा संगठन है जिसके आधीन देश की राजधानी दिल्ली में एवं महाराष्ट्र राज्य के मुम्बई सहित मध्यप्रदेश व अन्य राज्यों में पंचायतें गठित है जो कि फाउंडेशन के द्वारा संचालित की जाती है। इंजीनियर होतीलाल चौधरी ऐसे समाज के सक्रिय संगठन के जिला अध्यक्ष नियुक्त हुए है। जिनसे फाउंडेशन ने अपेक्षा की है कि वह जिला भर के सक्रिय व जागरूक लोगों को फाउंडेशन से जोड़े और जिले की प्रत्येक ब्लाक में अध्यक्ष व कार्यकारिणी गठित करें। सतगुरु संत रविदास कल्याण फाउंडेशन श्री चौधरी जी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है। संगठन के राष्ट्रीय आजीवन सदस्य , कार्यकारिणी सदस्य, सम्मानित सदस्य एवं सभी वरिष्ठ पदाधिकारी गणों की ओर से श्री होतीलाल चौधरी को जिला अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई है।



जिस गोंड राजमहल चीचली की धरोहर के लिए अंग्रेजों से लड़ें शहीद मनीराम अहिरवार वहां हर साल होती है कबड्डी प्रतियोगिता

राजमहल को सीढ़ियों पर राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता देखने 10 हजार लोगों बैठकर उठाते हैं लुप्त

मूलचंद मेधोनिया पत्रकार भोपाल

चीचली। जिला नरसिंहपुर की तहसील गाडरवारा रेलवे स्टेशन से 9 किलोमीटर की दूरी पर जो नगर चीचली गोंडवाना राजा स्वर्गीय श्री शंकर प्रताप सिंह जूदेव की नगरी गोंडवाना नगरी के नाम से जाना जाता था। वह आज शहीदों की नगरी के नाम से मशहूर है। तथा पीतल नगरी से भी पहचान है। जहां पर पीतल, तांबा और कांसे के बर्तन बनाये जाते है। जो कि देश के कोने कोने में जाते है। बुन्देलखण्ड व महाकौशल जो है वहां केवल आदिवासी गोंड राजाओं के छोटे बड़े रियासतें थीं । जिनमें कुशल व ईमानदारी से आम जनता को न्याय प्राप्त होता था। चीचली गोंड राज घराना भी ऐसा ऐतिहासिक है, जहां पर कभी भी पुलिस की आवश्यकता नहीं होती थी। पूरे गांवों में पुलिस थाना नहीं था, सभी मसले स्वयं राजमहल में सुने जाते और सभी को न्याय प्राप्त होता था। कुशल शासक ही गोंड राजा होते थे। सन् 19 42 में चीचली राजा पढ़ाई करने बाहर गये थे। अंग्रेजी सेना ने मौके का फायदा उठाकर महल को लुटने व आधीन करने के उद्देश्य से 23 अगस्त सन् 19 42 को आ धमके जिसकी भनक लगते ही गोंड



राजमहल के सबसे अधिक वफादार वीर मनीराम अहिरवार जो कि राजमहल के सेवादार थे। जिन्होंने अंग्रेजों को महल की ओर आने से रोका न रुकने पर उन्होंने अंग्रेजी सैनिकों के ऊपर पथरों से अचूक निशाने लगाकर लहू लुहान कर दिया। वीर मनीराम अहिरवार जी पर अंग्रेजों द्वारा चली गोलियां पर गांव की ही वीरांगना गौरादेवी कतिया जी शहीद हुए। तथा छल कपट से अंग्रेजों ने मनीराम अहिरवार जी

को गिरफ्तार कर अपनी जेलखाना जो कि उन्होंने जबलपुर में बना रखा था। वहां ले जाकर गोंडवाना राजमहल की गुप्त जानकारी के लिए उन्हें कठोर यातनाएं दी गईं। बहुत पीटा गया, लालच भी दिया कि तुम्हें अंग्रेजी सेना में भर्ती कर लेंगे। इसके लिए तुम्हें राजा की सम्पूर्ण जानकारी दें। लेकिन वीर मनीराम अहिरवार एक वफादार सेवादार थे, उन्होंने कोई भी अंग्रेजों की शर्त नहीं मानी। उनकी जान न

लेने के लिए अनुसूचित जाति वर्ग और आदिवासी गोंड समाज के लोगों को लाकर बेगारी करने का भी बोला गया। लेकिन वीर स्वाभिमानी मनीराम जी ने अंग्रेजों से प्राण ले लेने का कह दिया। परिणामस्वरूप वह अपने वतन के खातिर कुर्बान हो गये और अपने गोंड राजा श्री शंकर प्रताप सिंह जूदेव के राजमहल की धरोहर को बचाने में विजय श्री प्राप्त कर जान न्यौछावर कर दी। आज इसी गोंड राजमहल चीचली में देश आजादी का जश्न मनाया जाता है। पहले राजा साहब स्वयं पहलवानों की कुशितियों व कबड्डी प्रतियोगिता करवाते थे। लेकिन अब नगर चीचली की सामाजिक संस्थाएं इस आयोजन को कबड्डी प्रतियोगिता के रूप में डोल ग्यारस पर करते आ रहे है। जो की दो दिनों तक चलता है नगर में मेला भी लगता है। यह मेला स्वर्गीय राजा श्री शंकर प्रताप सिंह जूदेव जी की स्मृति में होता है। लेकिन अफसोस कि बात है कि जिस गोंड राजमहल चीचली की धरोहर के लिए संघर्ष करने वाले महान क्रांतिकारी वीर मनीराम अहिरवार जी को ऐसे आयोजन में स्मरण न करना उनके प्रति सम्मान प्रकट न करना पवित्र दलित आदिवासीयों के इतिहास को नजरअंदाज करना हमारे महापुरुषों के साथ अन्याय है।

संजीव सक्सेना और आसिफ जकी को कांग्रेस टिकट देने की मांग व समर्थन किया: श्री महेश नंदमेहर ने

मूलचंद मेधोनिया पत्रकार भोपाल



भोपाल। सतगुरु संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं मध्यप्रदेश किसान कांग्रेस कमेटी भोपाल के प्रदेश प्रवक्ता श्री महेश नंदमेहर ने दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र 152 से कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं जन प्रिय इंजीनियर संजीव सक्सेना जो कि लम्बे समय से आम जनता की सेवा करते आ रहे हैं। विभिन्न स्तरों से आम जनता के चहेते हैं। जिन्होंने श्री कमलनाथ जी के निवास पर पांच हजार महिलाओं के साथ विधायक प्रत्याशी की प्रबल दवेदार रखीं वहीं दूसरे महिला शक्ति महाकुंभ करके अपनी सक्रियता प्रकट कराई। पैदल मार्च किया। तथा इनके साथ हजारों की संख्या में युवाओं पुरुष/ महिलाओं की बूथ स्तर की सशक्त टीम है। दलित समाज के सबसे प्रिय नेता के रूप में जानें जाते हैं। ऐसे ही नरेला विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 151 के सक्रिय कांग्रेस कमेटी भोपाल के महासचिव श्री आसिफ जकी है जो कि नरेला विधानसभा क्षेत्र में अनेक सामाजिक लोगों की सेवा करते आये हैं। जो कि विगत पांच वर्षों से निरंतर जनता के बीच में हैं। ऐसे निष्ठवान व ईमानदार नेताओं को कांग्रेस विधायक प्रत्याशी घोषित किये जाने का समर्थन सतगुरु संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेश नंदमेहर ने एवं मीडिया प्रभारी श्री मूलचंद मेधोनिया ने मांग की है कि दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र से इंजीनियर संजीव सक्सेना को और नरेला विधानसभा क्षेत्र से जन जन के चहेते भाई श्री आसिफ जकी को कांग्रेस विधायक प्रत्याशी घोषित करें। फाउंडेशन के मीडिया प्रभारी ने बताया है कि हमारे दलित समाज का दोनों क्षेत्रों में लाखों की आबादी में जिसमें विशेष रूप से संत रविदास समाज के अनुयायियों की बड़ी संख्या है। जिनका पूरा सहयोग व समर्थन इन दिनों प्रत्याशी को किया जायेगा। सतगुरु संत रविदास कल्याण फाउंडेशन भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री महेश नंदमेहर कांग्रेस कमेटी दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड्गे जी , श्री कमलनाथ जी प्रदेश अध्यक्ष, मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी भोपाल, श्री दिग्विजय सिंह पूर्व मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन एवं श्री सज्जन वर्मा जी पूर्व कैबिनेट मंत्री को पत्र लिखकर मांग की है कि श्री संजीव सक्सेना एवं श्री आसिफ जकी जी को पार्टी पर प्रत्याशी घोषित किया जाये। जो की कांग्रेस को प्रचंड बहुमत से विजय होंगे।

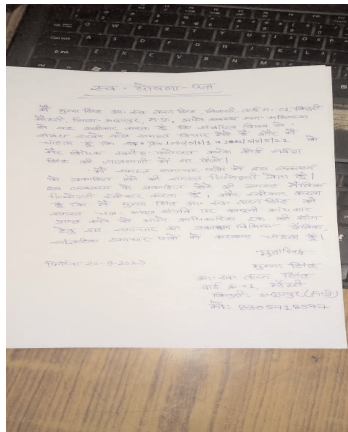
तारन सिंह की दूसरी पत्नी की संतान पिछले 10 वर्षों से लड़ रहा अपने हक की लड़ाई

मुन्ना सिंह



अनूपपुर/बिजुरी – आपको बता दे कि बिजुरी में मुन्ना सिंह जो की स्वर्गीय तारन सिंह ,निवासी बिजुरी, की दूसरी पत्नी नान बाई की संतान है दू जो आज पिछले 10 वर्षों से अपने हक की लड़ाई लड़ रहे है उनका कहना है की- पिता की मौजूदगी तक तो सब ठीक था, किंतु पिता जी के परलोक गमन के बाद ही जो वैधानिक हक एक पुत्र को मिलना चाहिए। उससे मुझे आज तक वंचित रखा गया है। नर्वदा सिंह जो कि स्वर्गीय तारन सिंह का छोटा पुत्र है, वह तारन सिंह की समस्त संपत्ति पर एकाधिकार जमाए बैठा है। खसरा क्रमांक 1080/5/1/1 व 1081/6/2/5/2/1 है

स्थान लोहसरा ,बिजुरी - थाना के पास है ,जो की तारन सिंह की आधिकारिक भूमि है। उसे सावित्री सिंह के नाम की भूमि बताकर बेच रहा है। जो कि पूरी तरह गलत है , जिससे मुन्ना सिंह को अपने पिता की वैधानिक भूमि में हिस्सा मिलने में बहुत दिक्कत आ रही है। मैं स्वर्गीय तारन सिंह की दूसरी पत्नी की संतान हूं। एक पुत्र का अपने पिता की संपत्ति पर जो वैधानिक अधिकार होता है उससे मुझे साजिश के तहत वंचित रखा जा रहा है। मुझे अपने पिता की संपत्ति पर पूरा कानूनी अधिकार मिलना चाहिए , जब तक मुझे मेरा हक नहीं मिलेगा मैं अपने अधिकार की लड़ाई जारी रखूंगा।



जन आक्रोश रैली को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ताओं सहित आमजनों के प्रति कोतमा विधायक ने जताया आभार।



बिजुरी। देश एवं प्रदेश में लगातार बढ़ती हुयी मंहगाई एवं बेरोजगारी सहित विभिन्न मुद्दों पर सरकार को घेरते हुयी। कांग्रेस पार्टी द्वारा प्रदेश भर में जन आक्रोश यात्रा प्रारम्भ किया गया है। यह यात्रा प्रदेश के भिन्न-भिन्न स्थानों से गुजरती हुयी, रविवार 24 सितम्बर को कोतमा नगर के अटल चौक में पहुंचा। जहां कोतमा विधायक सुनील सराफ के आह्वान पर हजारों कि तादाद में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित होकर, जन आक्रोश यात्रा में शामिल हुऐ।

चहुंओर सुनील भैया जिन्दाबाद के नारों से गूंज उठा अटल-चौक-

सुबह से विधायक सुनील सराफ के आह्वान पर पहुंचे हजारों कार्यकर्ता चिलचिलाती धूप में भी डटकर कार्यक्रम स्थल डटे रहे। और जैसे ही दोपहर 03 बजे आपसपास जन आक्रोश यात्रा कोतमा नगर में प्रवेश किया वैसे ही हजारों कार्यकर्ताओं ने एक स्वर में सुनील भैया जिन्दाबाद के नारों से पूरे अटल चौक को गुंजायमान कर दिया। विधायक के आह्वान पर उमड़े जनसैलाब को देखकर ही उनकि लोकप्रियता का कयास लगाया जा सकता है।

विधायक ने किया कार्यकर्ताओं एवं जनता-जनार्दन का आभार व्यक्त-

तपती धूप में भी अपना काम-धाम छोड़कर जन-आक्रोश यात्रा में शामिल होने वाले सभी कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुऐ, विधायक सुनील सराफ ने कहा कि मुझे गर्व है कि मुझे पूरे 05 वर्ष आपका सेवक बनकर आप सभी का सेवा करने का सौभाग्य मिला। और आपका आशिर्वाद रहा तो आगे भी आपका सेवक बनकर आप सभी का सेवा करता रहूंगा।

मुख्यमंत्री ने विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी को पूरे विधि-विधान से परिवार के साथ विदा किया,प्रेमपुरा घाट पर किया विसर्जन

भोपाल से देवेन्द्र कुमार जैन की रिपोर्ट

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अनंत चतुर्दशी पर प्रेमपुरा घाट में विधि- विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया। मुख्यमंत्री चौहान ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इसके पूर्व मुख्यमंत्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, पुत्र कार्तिकेय सिंह तथा मुख्यमंत्री निवास कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी, सुरक्षा स्टाफ, निवास से प्रेमपुरा घाट तक बैड दल और भजन कीर्तन के साथ वृहद चल समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि गणेश महोत्सव उत्साहपूर्वक और आनंद के साथ पूरे प्रदेश में मनाया गया। मुख्यमंत्री निवास पर भी उत्साहपूर्वक उत्सव मनाया गया। भगवान श्री गणेश दस दिन हमारे साथ रहे, उनसे कामना है कि सभी पर उनकी कृपा बनी रहे, सब सुखी हों, निरोगी रहें, सबके कष्ट दूर करें। प्रदेश और देश आगे बढ़े और दुनिया को भी दिशा दिखाए। भगवान गणेश हमें सद्मार्ग पर चलाएं। चल समारोह मुख्यमंत्री निवास से पॉलेटेक्निक चौराहा, न्यू मार्केट, माता मंदिर से होते हुए प्रेमपुरा घाट पहुंचा। चल समारोह का विभिन्न स्थानों पर लोगों ने पुष्पवर्षा की। चल यात्रा में मुख्यमंत्री चौहान ने भी भजन गाए और गणेश भक्तों के साथ जय-जयकार की। मुख्यमंत्री ने भेंट करने वाले श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरित किया।



कलेक्टर श्री लंगेह ने बैंक प्रबन्धकों से कहा जरूरतमन्द को प्रदान करें लोन



उमेश तिवारी

कोरिया। कोरिया कलेक्ट्रेट सभाक्षेत्र में कलेक्टर श्री विनय कुमार लंगेह की अध्यक्षता में सभी बैंकर्स की जिला स्तरीय परामर्शदात्री समिति की त्रैमासिक समीक्षा बैठक ली। यहां उन्होंने सभी बैंकर्स को सक्रिय होकर कार्य करने के निर्देश दिए ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद को बैंक द्वारा लाभान्वित किया जा सके। बैठक में पिछले तिमाही जून 2023 में बैंकों की उपलब्धि और शासकीय योजनाओं के तिमाही लक्ष्य एवं उपलब्धि पर बैंकवार प्रगति की समीक्षा की। प्राप्त ऋण प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैंकिंग विकास के आंकड़ा, वार्षिक साख योजना की उपलब्धि, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना की प्रगति, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना की प्रगति, प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की प्रगति, अंत्याव्यवसायी स्वरोजगार आदिवासी स्वरोजगार योजना, राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन सहित अन्य विभागीय योजनाओं की प्रगति की बैंकवार विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने बैंकों के काम-काज और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, बैंक में लंबित प्रकरण के संबंध में जानकारी लेते हुए कहा कि लक्ष्य के अनुरूप ऋण अनुदान स्वीकृत करना सभी शाखा प्रबंधकों का दायित्व है। श्री लंगेह ने क्रियान्वयन एजेंसी विभाग और बैंक अधिकारियों को आपस में समन्वय बनाकर ऋण प्रकरणों की स्वीकृति में तेजी लाने और हितग्राहियों को बार-बार बैंक व कार्यालयों के चक्कर लगवाने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने के निर्देश दिए।

रोजगार के लिए ऋण की प्रक्रिया सरल बनाएं-

बैठक में बैंकर्स द्वारा विभिन्न शासकीय विभागों के माध्यम से ऋण के प्रकरण और लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिए अपनाई जाने वाली कार्य के संबंध में भी जानकारी ली। उन्होंने सभी बैंक प्रतिनिधियों को मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, पीएमईजीपी, शिक्षा ऋण, प्रधानमंत्री मुद्रा ऋण सहित अन्य ऋण के लिए प्राप्त आवेदनों का जल्द से जल्द स्वीकृत करते हुए ऋण वितरित करने की बात कही। साथ ही ऋण के आवेदनों में किसी भी प्रकार के दस्तावेज

की कमी होने पर संबंधित विभाग को सूचित कर दस्तावेज की पूर्ति अनिवार्य रूप से करा लेने के निर्देश दिए।

'ऋण वितरण में देरी पर नाराज हुए कलेक्टर-'

कलेक्टर श्री लंगेह ने सभी बैंकों को शतप्रतिशत शासकीय ऋण योजनाओं के तहत स्वीकृत प्रकरणों में तेजी से ऋण वितरित करने के निर्देश दिए। बैठक में आधा-अधूरे जानकारी के साथ उपस्थित होने पर अधिकारियों को फटकार लगाई, भविष्य में समुचित जानकारी के साथ बैठक में आने को निर्देश दिए। किसान क्रेडिट कार्ड - कृषि, पशुपालन, मत्स्य और पी.एम स्वनिधि के अंतर्गत बैंक ऋण स्वीकृति संतोषप्रद न होने पर भी नाराजगी प्रकट किया गया। बैंकों की ऋण वितरण की धीमी प्रगति पर नाराजगी जाहिर करते हुए सभी पुराने प्रकरणों का निराकरण करने के लिए बैंकों को निर्देशित किया। कलेक्टर श्री लंगेह ने सूदखोरी व पात्र हितग्राहियों को ऋण देने में हैलाहवाली की जानकारी मिलने पर कड़ी कार्यवाही करने की चेतावनी दी।

'विशेष लोन कैम्प करने पर जोर'

उन्होंने सामुदायिक और हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए विशेष लोन कैम्प आयोजित करने को कहा।

हितग्राहियों से शालीनतापूर्वक पेश आए'

बैठक में सांसद प्रतिनिधि श्री प्रदीप गुप्ता ने ऋण प्रदाता विभाग व बैंक कर्मियों से कहा कि हितग्राहियों के साथ सहयोग करें, उनके साथ बातचीत अच्छे से करें क्योंकि मजबूरी में ऋण लिया जाता है, ऐसे में आपके व्यवहार से प्रशासन व बैंक की छवि बनती है। जिलास्तरीय समीक्षा समिति की बैठक में जिला पंचायत सी.ई.ओ श्री आशुतोष चतुर्वेदी, क्षेत्रीय प्रबंधक सेन्ट्रल बैंक ऑफ इंडिया श्री रणधीर सिंह, भारतीय रिजर्व बैंक रायपुर प्रबंधक श्री एस. बसके , नाबाई से श्री एस. प्रधान, एल. डी, एम प्रकाश कुमार, महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र श्री एम. बारा सहित बैंकों के शाखा प्रबंधक एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

प्रदेश में भगवा पार्टी की कार्यकारिणी का हो रहा विस्तार,सुभाष गुप्ता शहडोल के जिला अध्यक्ष नियुक्त



शहडोल। कम समय में भगवा पार्टी की विचारधारा और सिद्धांतों से प्रभावित होकर लगातार प्रदेश के युवा पार्टी के साथ जुड़ रहे हैं ,पार्टी बड़े जोर-शोर से जमीनी स्तर पर कार्यकर्ता बनाकर काम कर रही है,पार्टी स्वच्छ राजनीति का निर्माण कर युवाओं को राजनीति में ज्यादा भागीदारी देकर एक मजबूत संगठन खड़ा करना चाहती है ,इसी तारतम्य में भगवा पार्टी के संगठन महामंत्री मुरारीलाल पांडेय की अनुशंसा पर राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाकांत शुक्ला ने शहडोल जिले के जिला अध्यक्ष के पद पर सुभाष गुप्ता को नियुक्त किया है। नियुक्ति पर सुभाष गुप्ता ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवाकांत शुक्ला और संगठन महामंत्री मुरारीलाल पांडेय का आभार व्यक्त किया है। सुभाष गुप्ता से उम्मीद की गई है कि आप शहडोल जिले में भगवा पार्टी के संगठन को मजबूत करेंगे। सुभाष गुप्ता के नियुक्ति पर अनूपपुर जिला के जिला अध्यक्ष कमलेश द्विवेदी शहडोल से राहुल गुप्ता,अजय मानिकपुरी ,लखन सिंह सौरव गुप्ता,पंकज यादव,अमित शुक्ला, सोनू शुक्ला,जीतेन्द्र त्रिपाठी,पुष्पेंद्र सिंह सहित बड़ी संख्या में लोगों द्वारा बधाई एवं शुभकामनाये प्रेषित की गई।



पुष्पराजगढ़ विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को को प्रदेश, विधानसभा ने सर्वश्रेष्ठ विधायक सम्मान से किया सम्मानित



अनूपपुर (ब्यूरो)। मध्यप्रदेश विधानसभा भवन के मानसरोवर सभागार में संसदीय उत्कृष्टता सम्मान, पुरस्कार समारोह आयोजित किया गया। संसदीय उत्कृष्टता सम्मान जिसमें पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक फुंदेलाल सिंह मार्को को मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम के कर-कमलों द्वारा मध्यप्रदेश के सर्वश्रेष्ठ विधायक उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित किया गया। इस दौरान साथ में उपस्थित मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष गिरीश गौतम, पूर्व विधान सभा अध्यक्ष डा. सीतासरण शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री डा. नरोत्तम मिश्रा, मध्यप्रदेश शासन के पूर्व मंत्री पी.सी. शर्मा, की उपस्थिति में संसदीय उत्कृष्ट विधायक समान प्रदान किया

गया। मात्र पांच विधायकों को यह सम्मान दिया गया है। विधानसभा के संसदीय मर्यादाओं का पालन करने और विधानसभा की गतिविधियों में उनके योगदान को देखते हुए यह सम्मान दिया गया। श्री मार्को जी कांग्रेस के उन विधायकों में हैं जो प्रश्नकाल में सक्रिय रहते हैं और बहसों में अपने क्षेत्र की मांगों को लेकर अपना पक्ष मजबूती के साथ रखते हैं। और अपने क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर हमेशा लड़ाई लड़ते हैं। पुष्पराजगढ़ विधानसभा क्षेत्र की जन समस्याओं को लेकर कई बार विधायक जी के द्वारा सरकार के खिलाफ विधानसभा के बाहर धरना प्रदर्शन, आंदोलन किये हैं। जबकि प्रदेश में भाजपा की सरकार है और उनकी सरकार में सर्वश्रेष्ठ विधायक उत्कृष्टता सम्मान से सम्मानित किया जाना ऐतिहासिक है। विधायक जी पूरे पुष्पराजगढ़ नहीं, पूरे शहडोल संभाग को गौरवान्वित किया है। यह हम सब लोगों के लिए गर्व की बात है कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर।

ईद मिलाद अन नबी पर अमली चौक में सिन्नी का विशाल वितरण आयोजन



शहडोल जिले से गंगाधर चौधरी की रिपोर्ट।

शहडोल। ईद मिलाद अन नबी का पर्व धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। ईद मिलादुन्नबी के अवसर शहडोल जिले के बुढ़ार लोहिया चौक में सिन्नी का विशाल वितरण गया जहां हजरत पैगंबर मोहम्मद साहब के साधक धनपुरी बुढ़ार एवं अन्य धर्म के लोगों ने शिरकत कर प्रसाद ग्रहण किया। यह कार्यक्रम हिंदू फर्नीचर मार्ट के संचालक मोहम्मद इश्तियाक खान मोहम्मद इम्तियाज खान द्वारा किया गया। इस अवसर पर मोहम्मद इश्तियाक खान मोहम्मद इम्तियाज पार्षद मोहम्मद शाहिद चीनी विजय लालमन चौधरी मदन प्रजापति प्रमुख रूप से उपस्थित रहे जिन्होंने प्रसाद वितरण करने में सहयोग किया।



अनूपपुर में जश्न के साथ मनाया गया ईद ए मिलाद उन नबी पर्व

अनूपपुर। ईद ए मिलाद उन नबी का पर्व अनूपपुर में बड़े ही जश्न के साथ मनाया गया। जिसको लेकर बड़ी तैयारी की गई थी, पूरे शहर को विभिन्न रंग बिरंगे तरीके से सजाया गया था, ईद मिलादुन्नबी के मौके पर जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया। जुलूस वार्ड क्रमांक मस्जिद मोहल्ले से शुरू हुआ जो स्टेशन चौराहा से थाना चौक होते हुए बस स्टैंड पहुंचा, जहां बस स्टैंड कमेटी द्वारा जुलूस का जबरदस्त इस्तेमाल किया गया था, जुलूस में शहर के हजारों मुस्लिम अकीदतमंदों ने जोश खरोश से हिस्सा लिया। बड़ी संख्या में छोटे छोटे बच्चे भी दिखाई दिए। जुलूस में चल रहे अकीदतमंद नाते ए पाक गुनगुनाते रहे। ईद मिलादुन्नबी के जुलूस को देखते हुए सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। हाजी एहसान उल हक ने बताया कि इस दिन इस्लाम धर्म के सबसे पहले और आखिरी नबी ए पाक तशरीफ लाये। पैगम्बर ए इस्लाम ने हमेशा एकता, शांति, भाईचारे और मोहब्बत का पैगाम दिया है। पैगम्बर मोहम्मद का फरमान है कि हमेशा अपने मुल्क और मुल्क के लोगों से मोहब्बत के साथ रहो, किसी को कोई तकलीफ मत दो। इस कड़ी में मध्यप्रदेश के अलग-अलग शहरों में भी भव्य जुलूस ए मोहम्मदी निकाला गया। इसके साथ ही वाहन रैली का भी आयोजन किया गया। इस जुलूस में हजारों की संख्या में लोग शामिल हुए। वहीं जुलूस में हिंदू-मुस्लिम भाईचारे की मिशाल भी देखने को मिली।

जगह जगह जुलूस ए मोहम्मदी का इस्तकबाल

जिला मुख्यालय अनूपपुर में निकाले गए जुलूस ए मोहम्मदी का जगह जगह इस्तकबाल किया। नगर के विभिन्न चाक चौराहे पर किया गया, इस दौरान, मो इब्राहिम तिगाला, हाजी एहसान उल हक, हाजी शमसुद्दीन, हाजी अब्दुल रज्जाक, मो हामिद, मो इलियास मंसूरी, मो जावेद, मो इजहार, मो कैश, मो तामरेज, मो अनीश तिगाला, मो इसराइल राठौर, मोहम्मद रिजवान, मो अरसूल, मो शेखावत, मो रिजवान, मो अनस, मोहम्मद रशीद मंसूरी, मो साबिर, मो तामरेज, मो शाहिद, मो सुजान, मो अक्कू, मो अफसर आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।



दीक्षांत शपथ और उपदेश को अपने जीवन में उतारें विद्यार्थी: राज्यपाल श्री पटेल



भोपाल। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि शिक्षित वही है, जिसमें ज्ञान के साथ-साथ संस्कार भी होते हैं। विद्यार्थी जीवन में विश्वविद्यालय से प्राप्त होने वाले संस्कार जीवन के हर कदम पर आपके पथ प्रदर्शक होते हैं। श्री पटेल मंगलवार को कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव भी मौजूद थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों को परिवार, समाज और राष्ट्र के लिए उनके दायित्वों के निर्वहन के लिए प्रतिबद्धतापूर्वक आगे बढ़ने के लिय प्रेरित करता है। जीवन की सफलताओं में कभी भी अपने माता-पिता और गुरुजनों को नहीं भूलें। उनके सम्मान को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। श्री पटेल ने कहा कि शिक्षक, युवा वर्ग को दृढ़ संकल्पवान बनाएं। उन्हें समस्याओं से जूझना सिखाएं ताकि विपरीत परिस्थितियों में भी एपका आत्मबल बना रहें। विद्यार्थी वंचित वर्गों के प्रति भी संवेदनशीलता के साथ सहयोग के लिए तत्पर रहें। राजपाल श्री मंगुभाई पटेल ने विद्यार्थियों को 2 अक्टूबर को आयोजित होने वाले स्वच्छता दिवस पर होने वाली गतिविधियों में बड़-चढ़कर और उत्साह पूर्वक हिस्सा लेने को कहा। उन्होंने विद्यार्थियों को अपने परिसर को स्वच्छ रखने के लिए निरंतर प्रेरित करते रहने की समझाइश दी। कार्यक्रम के प्रारंभ में राज्यपाल श्री पटेल का पुष्पगुच्छ, शॉल श्रीफल भेंटकर स्वागत और अभिनंदन किया गया।

जल-प्रदाय योजनाओं के बेहतर संधारण के लिए अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों का भ्रमण कर कार्यों पर नजर रखें : मुख्यमंत्री श्री चौहान

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने ग्रामीण अंचलों में जल-प्रदाय योजनाओं के बेहतर संधारण पर जल निगम और लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निरंतर नजर रखने के निर्देश दिये हैं। अधिकारी ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर कार्यों की निगरानी भी करें। मुख्यमंत्री समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में मध्य प्रदेश जल निगम के संचालक मंडल की 23 वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी एवं जनसंपर्क मंत्री श्री राजेंद्र शुक्ल, मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में निर्देश दिए कि जल निगम के साथ ही विभागीय अधिकारियों द्वारा अपने कार्य-क्षेत्र में नागरिकों से सतत संवाद स्थापित किया जाये। नुक़ड़ नाटक और अन्य प्रचार गतिविधियों से नागरिकों में पानी की बचत, जल-प्रदाय योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए उनके बेहतर रख-रखाव और जन-सहयोग

से बाधा रहित जल-प्रदाय को सुनिश्चित करने के लिए भी प्रभावी प्रयास किये जायें। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मध्यप्रदेश में जल जीवन मिशन की गतिविधियों की जानकारी भी प्राप्त की। बैठक में जल निगम द्वारा परियोजना और परिसंपत्ति प्रबंधन प्रणाली की वर्तमान

स्थिति के अध्ययन, आकल्पन, विकास कार्यान्वयन, वार्षिक रख-रखाव और सेवा के लिए अपनाई गई प्रक्रिया और समूह जल-प्रदाय योजनाओं के लिए



परियोजना प्रबंधन इकाई के चयन संबंधी कार्य की जानकारी दी गई। वित्तीय मैनेजमेंट कंसल्टेंट्स की चयन, समूह जल-प्रदाय योजनाओं के संचालन, संधारण के लिए पर्यवेक्षण और गुणवत्ता नियंत्रण पर भी चर्चा हुई।

जिला खनिज प्रतिष्ठान

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में

आज जिला खनिज प्रतिष्ठान से विकास कार्यों के संचालन के संबंध में बैठक भी हुई। बैठक में खनिज साधन और श्रम मंत्री श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित थे। बैठक में डीएमएफ से पूर्व में हुए कार्यों की जानकारी देने के साथ ही प्रस्तावित कार्यों पर चर्चा हुई।

मीडिया प्रतिनिधियों के समग्र कल्याण की विभिन्न योजनाओं की स्वीकृति

- मुख्यमंत्री संबल खिलाड़ी प्रोत्साहन योजना की स्वीकृति
- कार्याकल्प द्वितीय चरण योजनाः की तीन वर्षों के लिये स्वीकृति
- 4 नई तहसीलों, एक नये अनुभाग के गठन को मंजूरी
- मुख्यमंत्री श्री चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद के निर्णय

भोपाल। मध्यप्रदेश के वरिष्ठ एवं बुजुर्ग पत्रकारों को प्रतिमाह दी जाने वाली सम्मान निधि 10 हजार रुपये से बढ़ाकर 20 हजार रुपये की जायेगी। सम्मान निधि प्राप्त करने वाले पत्रकार की मृत्यु होने पर उनकी पत्नी / पति को एकमुश्त 8 लाख रुपये की सहायता राशि दी जायेगी। पत्रकारों को स्वयं अथवा आश्रितों के उपचार के लिये सामान्य बीमारियों के लिये आर्थिक सहायता प्रावधान 20 हजार से बढ़ाकर 40 हजार रुपये और गंभीर बीमारियों के लिये 50 हजार से बढ़ाकर 1 लाख रुपये किया जायेगा। आयकर वाली शर्त को भी हटाया गया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में हुई मंत्रिपरिषद की बैठक ने मुख्यमंत्री द्वारा इस संबंध में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन को स्वीकृति दी। उल्लेखनीय है कि लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के रूप में कार्य करने वाले प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं सोशल, डिजिटल मीडिया में काम कर रहे पत्रकारों एवं मीडिया प्रतिनिधियों के समग्र कल्याण एवं हितों को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री श्री चौहान ने 7 सितंबर, 2023 को ‘पत्रकार समागम’ के दौरान विभिन्न घोषणाएं की थीं। मंत्रि-परिषद ने पूर्व में लागू मध्यप्रदेश में अधिमाम्य पत्रकारों को आवास ऋण पर ब्याज अनुदान योजना को संशोधित कर नवीन योजना ‘अधिमाम्यता प्राप्त पत्रकारों को आवास ऋण एवं शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना 2023’ को स्वीकृत किया। नई योजना में अधिकतम ऋण राशि सीमा 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये की गयी है। साथ ही योजना में अधिमाम्यता प्राप्त पत्रकारों के बेटे / बेटियों की शिक्षा के लिये बैंक से लिये गये ऋण पर देय व्याज पर भी 5त ब्याज अनुदान 5 वर्ष के लिये राज्य शासन द्वारा वहन करने का निर्णय लिया गया है। मंत्रि-परिषद ने यह निर्णय भी लिया कि ‘मध्यप्रदेश संचार प्रतिनिधियों के लिये स्वास्थ्य एवं दुर्घटना समूह बीमा योजना’ में पत्रकारों से वर्ष 2022-23 के लिये भारत प्रीमियम दर के अनुसार ही इस वर्ष भी प्रीमियम राशि ली जायेगी। बीमा कंपनी द्वारा बढ़ाए गये प्रीमियम की राशि का भुगतान राज्य शासन द्वारा किया जायेगा। इस योजना में नये प्रावधान के अनुसार 65 वर्ष से अधिक उम्र के पत्रकारों और



उनकी पत्नी / पति के बीमा का पूरा प्रीमियम राज्य शासन वहन करेगा।

कार्याकल्प द्वितीय चरण योजना' की तीन वर्षों के लिये स्वीकृति

मंत्रि परिषद् द्वारा विशेष केन्द्रीय सहायता (शहरी सुधार कार्यक्रम) से प्रदेश में मास्टर प्लान की सड़कों के लिये नवीन पूंजीगत योजना ‘कार्याकल्प द्वितीय चरण (मास्टर प्लान की सड़कें) योजना’ की तीन वर्षों के लिये स्वीकृति दी गई है। योजना का क्रियान्वयन केन्द्र सरकार से प्राप्त होने वाली विशेष केन्द्रीय सहायता राशि से किया जायेगा। वर्ष 2023-24 के लिए 1200 करोड़ रूपयों का प्रावधान किया गया है। योजना में मास्टर प्लान में अंकित मार्ग, अन्य प्रमुख मार्ग, रिंगरोड तथा बायपास का निर्माण विद्यमान सड़कों का उन्नयनीकरण और इन मार्गों के लिये अनुषांगिक अधोसंरचना विकास जैसे चौराहे, रोड, फर्नीचर, यूटिलिटी शिफ्टिंग, लोक परिवहन, स्ट्रीट लाइटिंग, पुल-पुलिया के कार्य किये जायेंगे। योजना का क्रियान्वयन नगरीय निकाय, विकास प्राधिकरण, स्मार्ट सिटी एवं एम.पी. यू.डी.सी के द्वारा किया जायेगा।

जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन का

अनुमोदन

मंत्रि परिषद् ने जल जीवन मिशन का क्रियान्वयन लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा किये जाने का अनुमोदन किया। मंत्रि परिषद् द्वारा देश में आईटी, आईटीईएस और ईएसडीएस

क्षेत्र में निवेश को और आकर्षक बनाये जाने के उद्देश्य से निवेश नीति 2016 के स्थान पर नवीन नीति मध्य प्रदेश आईटी, आईटीईएस एवं ईएसडीएम निवेश संवर्धन 2023’ का अनुमोदन किया गया है। क्रियान्वयन के लिये नियम एवं दिशा निर्देश जारी करने तथा नियमों एवं दिशा निर्देशों में सामान्य संशोधन, विसंगति दूर करने तथा प्रावधानों की व्याख्या करने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग को अधिकृत किया गया है। नवीन नीति के प्रभावशील होने से राज्य में निवेश की संभावनाओं का विस्तार होगा एवं इच्छुक कम्पनियों निवेश के लिए आकर्षित होंगी।

जबलपुर में दो नवीन तहसील पोंडा और

कटंगी के सृजन की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा जिला जबलपुर में नवीन तहसील पोंडा के सृजन की स्वीकृति दी गई है। नवीन तहसील में तहसील मझौली के राजस्व निरीक्षक मंडल पोंडा के पटवारी हल्का 43 से 85 तक कुल 43 पटवारी हल्के शामिल होंगे। उसके बाद तहसील मझौली में राजस्व निरीक्षक मंडल मझौली के हल्का 1 से 24, 26 से 42 तक कुल 41 पटवारी हल्के शेष रहेंगे। नवीन तहसील पोंडा के कुशल संचालन के लिये कुल 17 पद स्वीकृत किये गये है। जिसमें तहसीलदार का 1, नायब तहसीलदार का 1, सहायक ग्रेड-2 के 02, सहायक ग्रेड-3 के 4, सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) के 2, जमादार/दफतरी/बस्तावरदार का 1, वाहन चालक का 1 और भृत्य के 5 पद शामिल है। इसके साथ ही जिला जबलपुर में नवीन तहसील

कटंगी के सृजन की स्वीकृति दी गई है। नवीन तहसील में तहसील पाटन के राजस्व निरीक्षक मंडल कटंगी के पटवारी हल्का 01 से 21 एवं 28 से 37 तक कुल 31 पटवारी हल्के तथा तहसील मझौली का पटवारी हल्का 25, कुल 32 पटवारी हल्के समाविष्ट होंगे। इसके बाद तहसील पाटन में राजस्व निरीक्षक मंडल कटंगी के पटवारी हल्का 22 से 27 एवं 38, तथा राजस्व निरीक्षक मंडल पाटन के पटवारी हल्का 39 से 80 इस प्रकार कुल 49 पटवारी हल्के तथा तहसील मझौली में 84 पटवारी हल्के शेष रहेंगे। नवीन तहसील कटंगी के कुशल संचालन के लिये कुल 17 पद स्वीकृत स्वीकृत किये गये है। जिसमें तहसीलदार का 1, नायब तहसीलदार का 1, सहायक ग्रेड-2 के 2, सहायक ग्रेड-3 के 4, सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) के 2, जमादार, दफतरी, बस्तावरदार का 1, वाहन चालक का 1 और भृत्य 05 पद शामिल है।

जिला मऊगंज में नवीन तहसील देवतलाब के सृजन की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा जिला मऊगंज में नवीन तहसील देवतलाब के सृजन की स्वीकृति दी गई है। नवीन तहसील में तहसील मऊगंज के राजस्व निरीक्षक मण्डल देवतलाब के पटवारी हल्का 1 से 15 एवं 47 से 49 राजस्व निरीक्षक मण्डल रतनगवा के पटवारी हल्का 16 से 27, 29 व 56, 57; राजस्व निरीक्षक मण्डल सीतापुर के पटवारी हल्का 40, 42, 43 तहसील नईगढ़ी राजस्व निरीक्षक मण्डल खरी के पटवारी हल्का 21 से 28 व 54 से 58 समाविष्ट होंगे। शेष तहसील नईगढ़ी में तहसील नईगढ़ी राजस्व निरीक्षक मण्डल रामपुर के पटवारी हल्का 1 से 14 व 43 से 53 राजस्व निरीक्षक मण्डल खरी के पटवारी हल्का 15 से 20 व 59 से 67 राजस्व निरीक्षक मण्डल मऊगंज के पटवारी हल्का 29 से 42 व 68 से 79 समाविष्ट होंगे तथा शेष तहसील मऊगंज में तहसील मऊगंज के राजस्व निरीक्षक मण्डल देवतलाब के पटवारी हल्का 50 एवं 51 राजस्व निरीक्षक मण्डल रतनगवा के पटवारी हल्का 28, 30 एवं 52 से 55, 58, 59, राजस्व निरीक्षक मण्डल सीतापुर के पटवारी हल्का 31 से 39 व 41, 44 से 46 व 60 से 62; राजस्व निरीक्षक मण्डल मऊगंज के पटवारी हल्का 63 से 85 समाविष्ट होंगे। जिला मऊगंज में नवीन तहसील देवतलाब के कुशल संचालन के लिये कुल 17 पद स्वीकृत किये गये है। इसमें तहसीलदार का 1, नायब तहसीलदार का 1, सहायक ग्रेड-2 के 2, सहायक ग्रेड-3 के 4 सहायक ग्रेड-3 (प्रवाचक) के 2, जमादार / दफतरी/ बस्तावरदार का 1, वाहन चालक का 1 और भृत्य के 5 पद शामिल है।

जिला प्रोत्साहन योजना से हो रहे महत्वपूर्ण विकास कार्य, मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बैठक में जानकारी प्राप्त की



भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान अध्यक्षता में आज समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में म.प्र. राज्य परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी के संचालक मंडल की तीसरी बैठक में जिला प्रोत्साहन योजना के कार्यों की स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में कम्पनी के वित्त वर्ष 2022-23 के लेखों का अनुमोदन किया गया। बैठक में जानकारी दी गई कि जिला प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत ग्यारह जिलों में 70 कार्यों के लिए 45 करोड़ एक लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इन जिलों में भोपाल सहित जबलपुर,ग्वालियर, इंदौर, शहडोल, सिंगरौली, दमोह, धार, कटनी, खरगोन और छिंदवाड़ा शामिल हैं। इसके अलावा 9 अन्य जिलों से प्राप्त 58 कार्यों के लिए भी 47 करोड़ 49 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की जा रही है। इन जिलों में जबलपुर, खरगोन, छिंदवाड़ा,ग्वालियर, गुना, सागर, रायसेन, इंदौर और सिंगरौली शामिल हैं।

महत्वपूर्ण विकास कार्यों से लाभान्वित हो रहे आम जन

बैठक में जानकारी दी गई कि जिला प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत मार्ग निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण, विभिन्न भवनों की बांड्रीवाल निर्माण, पेडैस्टल निर्माण, पुलिया निर्माण, रपटा निर्माण, जन सुविधा केंद्र बनाने, पेवर ब्लॉक कार्य, नाली निर्माण, ट्रेड एण्ड कल्चर सेंटर बिल्डिंग,बेडरूमटन कम मल्टी परपज हॉल का निर्माण कार्य विभिन्न जिलों में हो रहा है। इन कार्यों से नागरिकों को सुविधाएं प्राप्त हुई हैं।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सीखो कमाओ योजना की 10 हजार वीं हितग्राही को प्रदान किया अनुबंध पत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रि-परिषद की बैठक से पहले मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना की 10 हजार वीं हितग्राही कुमारी अजीता राठौर और 10001 वीं हितग्राही कुमारी आकांक्षा चौहान को अनुबंध पत्र प्रदान किए और उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। श्री चौहान की अध्यक्षता में आज यहाँ मंत्रि-परिषद की बैठक राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम के साथ आरंभ हुई। मुख्यमंत्री सीखो कमाओ योजना की हितग्राही कुमारी अजीता राठौर ने भोपाल के एलएनसीटी विश्वविद्यालय,भोपाल से एमसीए किया है, उन्हें सीखो कमाओ योजना के अंतर्गत एक्सट्रा नेट टेकनालॉजी प्राइवेट लि. भोपाल में साफ्ट वेयर डेवेलपर के रूप में जुड़ने का अवसर मिला है।

लगभग चार माह से आंदोलन कर रहे हैं आदिवासी अभ्यर्थियों का अभी तक नहीं हुआ निराकरण।

आपको बता दे कि शिक्षक भर्ती पात्रता परीक्षा 2022 में वर्ग तीन में आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थियों की लगभग 4200 पद रिक्त रह गए थे। जिसमें की बैकलॉग के पद भी जुड़े हुए थे। इसका नोटिफिकेशन और परीक्षा परिणाम में लगभग लगभग 5 साल का अंतर है। पिछले चार माह से आंदोलन कर रहे अभ्यर्थियों ने 28 अगस्त 2023 को भी नीलम पार्क भोपाल में अपना विरोध प्रदर्शन किया था। तथा मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री से मिलने के लिए अपनी मांग रखी थी। परंतु प्रशासन ने उन्हें मिलने से रोक लिया तथा केवल विभागों के दर-दर के ठोकरेखाने के लिए उन्हें भटकते रहे। जब शाम हुई तो नीलम पार्क से उन्हें हटा करके रेलवे स्टेशन भेज दिया। तथा नीलम पार्क में पुलिस प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी द्वारा इन आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थियों को यह आश्वासन दिया गया कि आप लोग को मैं मुख्यमंत्री कार्यालय से मिलवा कर ले आया हूं वल्लभ भवन से भी ले गए थे और अभी यह लोग अगर 15 दिन में आपकी मांगे स्वीकार नहीं करते हैं तो आप स्वतंत्र हो की 16 दिन दान आप अपने परिवार जनों के साथ और वर्तमान समय में जितने जनसंख्या लेकर आए हो उसे चार गुना जनसंख्या के साथ बिना किसी अनुमति के आप जहां चाहो भोपाल में धरना प्रदर्शन कर सकते हो। इसी को लेकर आदिवासी अभ्यर्थी वर्ग तीन के छात्र

26 सितंबर को बिना किसी अनुमति के नीलम पार्क पहुंचे। जहां फिर से उन्हें पुलिस प्रशासन के अधिकारियों द्वारा उन्हें अनुमति के लिए दिनभर उलझाए रखा तथा यह कहा गया कि आप बिना अनुमति के कहीं पर भी नहीं जा सकते। और आप पढ़े लिखे हो शिक्षक बनने वाले हो आपको नियम कानून पता होना चाहिए। उसे समय जो अभ्यर्थी आंदोलन कर रहे थे सब ने एक सुर में आवाज उठाई कि आप ही ने हम लोगों को 15 दिन का आश्वासन दिया था। और हम लोग लगभग एक माह बाद आए आप आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थियों को गुमराह कर रहे हो हमें आज ही आंदोलन करना है और हम लोग बिना किसी निराकरण के नहीं जाएंगे। ऐसी स्थिति में पुलिस प्रशासन के अधिकारी कुरेशी साहब द्वारा उन्हें अगले दिन 27 सितंबर 2023 के दिन अंबेटकर पार्क की अनुमति के लिए पत्र भेजा गया। तथा किसी पुलिस प्रशासन के अधिकारियों ने यह नहीं पूछा की लगभग 100 से अधिक छात्राएं और 300 से अधिक छात्र कहां पर रुकेंगे क्या खाएंगे क्या व्यवस्था रहेगी। रात भर भूखे रहे छात्र-छात्राओं में से कुछ छात्र ऐसी थी जो भूखे के मारे रात भर उल्टियां करी। परंतु प्रशासन इस और भी पहल नहीं करी गई। आंदोलन कर रहे सभी छात्र-छात्राओं ने सेव परमल खाकर के रात गुजारी तथा अगले दिन 27 सितंबर को अंबेडकर पार्क में सुबह 10०0 बजे से अपना आंदोलन जारी शुरू किया। जिसमें सभी 52



जिलों से आए अभ्यर्थियों ने अपना दुख दर्द रखा परंतु प्रशासन का कोई भी अधिकारी उनसे मिलने नहीं आया और ना ही कोई मंत्री या , विधायक या , जिम्मेदार प्रतिनिधि छात्रों के इस दुख दर्द को सुनने आया। जिसमें मांगे पूरी नहीं होने पर सभी 52 जिलों के आदिवासी विद्यार्थियों ने यह प्रण लिया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में वह अपनी ताकत दिखाएंगे और किसी भी कंडीशन में परंतु भारतीय जनता पार्टी का समर्थन नहीं करेंगे और यदि विपक्ष उनकी ओर ध्यान देता है तो वह विपक्ष को समर्थन करेंगे। जो भी के छात्रों के हक की बात करेगा आदिवासी वर्ग के छात्र उनके साथ रहेंगे।

आंदोलन कर रहे छात्रों में से चांदनी चौहान ने अपनी बात रखी और कहा कि हम लोग लगभग चार माह से आंदोलन कर रहे हैं और अभी तक प्रशासन की आंखें नहीं खुली शासन इतना बहरा और अंधा हो गया है कि उनको आदिवासी विद्यार्थियों का दुख और दर्द नहीं दे रहा। सोहन जी ने अपनी बात रखते हुए कहा कि हम लोग केवल 4000 अभ्यर्थी नहीं है हमारे साथ 4000 परिवार जुड़े हैं। आदिवासी छात्र संगठन के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश डामोर ने जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों को चेताया और कहा कि आप आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थियों का दुख दर्द सुने और जिम्मेदार

प्रतिनिधि या अधिकारियों को बुलाए अन्यथा आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थी उग्र आंदोलन के लिए मजबूर है। बुरहानपुर से आए आदिवासी छात्र संगठन पूर्व जिला अध्यक्ष विजय धारवे ने कहा यदि सरकार बातें नहीं सुनती है तो विपक्ष के साथ जाएंगे। और यदि शाम तक हमारी मांगे नहीं मानी जाती हैं तो हम लगभग 50 अभ्यर्थी अपना सर मुंडन करवाएंगे। और आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थियों का सर मुंडन करने कार अर्थ होगा कि आने वाले विधानसभा चुनाव में वह मुख्यमंत्री जी का भी सर मुंडन करवाएंगे। क्योंकि वह सभी कसम खाकर जाएंगे कि हम हमारे क्षेत्र में किसी भी भाजपा के विधायक को मतदान नहीं करेंगे तथा हम हमारे गांव में उन्हें प्रवेश करने से रोकेंगे। क्योंकि इस प्रकार की तानाशाही सरकार जो आदिवासी हितेषी अपने आप को बताती है परंतु आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थियों के साथ छलावा कर रही हैं। और छलावा कैसे कर रही है यह आप सभी समझें। जब एक ही परीक्षा में शिक्षक पात्रता परीक्षा वर्ग 3 में आप आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग(ई.डब्ल्यू. इस.) के अभ्यार्थी जिनके 845 पदों की पूर्ति के लिए आप नियमों में परिवर्तन करके 10त पात्रता परीक्षा में छूट दे करके उनके 845 पदों की पूर्ति आप कर सकते हो तो फिर आदिवासी वर्ग के अभ्यर्थियों की 4200 पदों की पूर्ति के लिए आप पात्रता परीक्षा पास करने के लिए 50त से घटा करके 40त क्यों नहीं कर सकते।

संपादकीय

अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भारत का मान बढ़ा

जी

20 की अध्यक्षता तक पहुंचना नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के तेजी से हो रहे बदलाव का प्रतीक है जी20 की अध्यक्षता तक पहुंचना नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के तेजी से हो रहे बदलाव का प्रतीक है जी20 की अध्यक्षता तक पहुंचना नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के तेजी से हो रहे बदलाव का प्रतीक है, जिसे अमीर, विकसित देशों से सम्मान मिला है। सार्वभौमिक चुनौतियों का इसका वास्तविक पता विकासशील दुनिया, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण, के साथ प्रतिध्वनित हो रहा है। मोदी द्वारा भारत के भविष्य-आगे के दृष्टिकोण की एक सशक्त प्रस्तुति दुनिया में साझा नियति, परस्पर निर्भरता के सकारात्मक अहसास और अमीरों द्वारा अपनी क्षमताओं के हथियारीकरण से बचने की आशा जगा रही है। विभिन्न मोर्चों पर चुनौतियों के बावजूद, भारत के ऊंचे लक्ष्यों के प्रति समर्पण ने उसे आगे बढ़ने में मदद की है और अंतरराष्ट्रीय निर्णय लेने की उच्च मेज पर सीट हासिल की है। इतना ही नहीं, यह कम विशेषाधिकार प्राप्त देशों को भी अपने साथ ले रहा है। अमेरिका का रणनीतिक साझेदार होने के बावजूद, नाटो और चीन-रूसी गुटों से भारत की समान दूरी का श्रेय पीएम मोदी को दिया जाना चाहिए। समोआ, भूटान, मारीशस, डोमिनिका, गुयाना, सेंट लूसिया, कई अन्य लोगों ने चल रहे संयुक्त राष्ट्र सत्र में सहायता की कि भारत एक बहुध्रुवीय दुनिया में अपना उचित स्थान ले रहा है। वे, विशेष रूप से, भारत के इस दावे की प्रशंसा करते हैं कि आर्थिक और तकनीकी प्रगति वैश्विक विकास को प्रवर्तक बनाएगी, अवरोधक नहीं। दोहरे मानकों की दुनिया में, भारत को उन अमीर और शक्तिशाली देशों को उकसाने की जरूरत है जो अपने रणनीतिक हितों को सुरक्षित रखते हुए भी बदलाव का विरोध कर रहे हैं। लेकिन अमीर देशों को लगता है कि उनकी समस्याएं दुनिया की समस्याएं हैं, न कि इसके विपरीत। लेकिन, स्थिति की गंभीरता - आर्थिक और पर्यावरण - के प्रति लोगों में एक तरह की जागरूकता भारत जैसे संबंधित देशों के अपने हितों को एकजुट करने के प्रयासों में सहायता कर रही है। कोविड-19 के समय में कम सक्षम राष्ट्रों तक पहुंच, तकनीकी अंतराल को पाटने और सहायता बढ़ाने में इसकी मदद ने इसे सद्भावना अर्जित की थी। कठोर वैश्विक राजनीति की प्रतिकूल परिस्थितियों के बीच मोदी की तूफानी कूटनीतिक यात्राएं सफल रही।

भा

रत में बेरोजगारी और महंगाई सबसे अहम राष्ट्रीय मुद्दे हैं। विडंबना है कि इन मुद्दों पर अधिकतर जनादेश तय नहीं किए जाते। आजकल महिला आरक्षण की खूब गहमागहमी है। सामान्य आरक्षण भी ऐसा ही संवेदनशील मुद्दा है। आरक्षण से ज्यादा जरूरी रोजगार है, ताकि महिलाएं भी पीढ़ी-दर-पीढ़ी 'अवैतनिक कामकाजी' न रह सकें और औसत भारतीय आत्मनिर्भर बन सकें। देश के प्रधानमंत्री मोदी भी आजकल क्रिकेट स्टेडियम का शिलान्यास करें या 'यशोभूमि' इवेंट कॉन्फ्लैक्स का उद्घाटन करें अथवा किसी प्रदर्शनी में जाएं, तो वह हर जगह रोजगार की बढ़ोतरी के दावे करते हैं। देश में बड़े-बड़े राजमार्ग और एक्सप्रेस-वे भी बनाए जा रहे हैं, जाहिर है कि उनमें भी रोजगार पैदा होते होंगे। उनके निर्माण के समानांतर अन्य आर्थिक गतिविधियां भी बढ़ती हैं। बेशक हमारी अर्थव्यवस्था की विकास-दर करीब 8 फीसदी है, लेकिन प्रति व्यक्ति इसका औसत करीब 4.5 फीसदी ही है। कोरोना वैश्विक महामारी के बाद भारत की आर्थिकी ने बहुत तेज और सकारात्मक वापसी की है, लिहाजा 2021-22 में न केवल जीडीपी करीब 150 लाख करोड़ रुपए थी और बीते साल की अपेक्षा 9 फीसदी ज्यादा भी रही, बल्कि वह कोरोना-पूर्व के स्तर को भी लांघ गई। जीडीपी का अर्थशास्त्र कुछ भिन्न होता है, जिसे आम आदमी समझ नहीं पाता, लिहाजा आर्थिक विकास और सामान्य

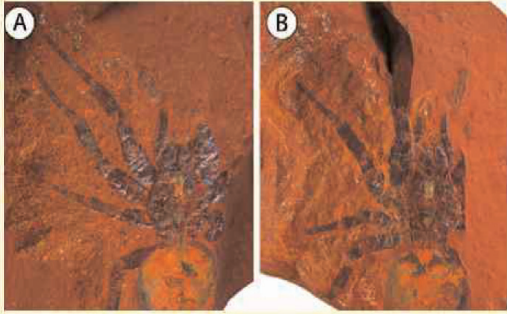


रोजगार की दर में गहरे विरोधाभास दिखाई देते हैं। कई अनुत्तरित सवाल भी निहित होते हैं। राजनीतिक सत्ताएं उनके जवाब नहीं देतीं। रोजगार भी ऐसा ही मुद्दा है, जो तमाम सकारात्मक आर्थिक विकास के बावजूद पूरी तरह संबोधित नहीं किया जा रहा है। हमारे देश में रोजगार, नौकरी और स्वरोजगार की अलग-अलग व्याख्याएं और कहानियां हैं। भारत सरकार की विभिन्न रपटों के डाटा से स्पष्ट है कि नौकरी के बाजार में लचीलापन या रोजगार की वापसी हुई है। सरकारों के अलावा, निजी क्षेत्र में भी बंपर रोजगार के अवसर विज्ञापित किए जा रहे हैं, लेकिन महिलाओं और युवा स्नातकों के लिए ये अवसर समूची अर्थव्यवस्था से पिछड़ गए हैं। कोरोना महामारी के बाद पुरुष और महिला कामगारों की दर बढ़ी है, लेकिन रोजगार का यह डाटा सतही तौर पर ही सुखियों में रहा है। यदि कामकाज के हालात सुधरे हैं, तो जाहिरा तौर पर बेरोजगारी की दर कम होनी चाहिए, लेकिन आज भी यह राष्ट्रीय दर 7-8 फीसदी के बीच झूल रही है। 2021-22 में बेरोजगारी दर करीब 6.6 फीसदी थी, जो 2019-20 की तुलना में करीब 2 फीसदी कम थी,

लेकिन महिला रोजगार में बढ़ोतरी दिखाई जा रही थी। यह कैसी विसंगति थी? एक रपट बताती है कि महिला रोजगार में संरचनात्मक ह्रास हुआ है। इसी के विरोधाभास में बताया गया कि महिलाओं के स्वरोजगार के रुझान बढ़े हैं। यह स्वरोजगार 'अवैतनिक' था और 'मैदान छोड़ने' का एक विकल्प था, क्योंकि बाजार में नौकरियों और रोजगार के बुरे हालात थे। यह भी निष्कर्ष दिया गया कि 2019-20 और 2020-21 की तुलना में महिलाओं की मासिक आमदनी बढ़ी है। इसे भी मुद्रास्फीति के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। दिलचस्प है कि 2021-22 में जिसकी मासिक आय 12089 रुपए थी, वह 2017-18 की औसतन मासिक आय से करीब 2 फीसदी कम थी। यह कैसे संभव है? व्यक्ति की आय साल-दर-साल बढ़ती है या घटती जाती है? विभिन्न राज्यों में महिलाओं की मासिक आमदनी को बढ़ाने के लिए राजनीतिक दलों की सरकारें अपनी वित्तीय नीतियां उसी के अनुरूप बनाती हैं। कोई 1500 रुपए, तो कोई 2000 रुपए और 2500 रुपए मुफ्त में बांटने की घोषणा करता है। वह नियमित आय नहीं कही जा सकती, क्योंकि मुफ्त की राशि कभी मिल जाती है, तो कभी सरकारें भूल भी जाती हैं। ऐसे लालीपोप के बावजूद देश के श्रम-बल में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के तनाव तो बरकरार हैं, लेकिन ऐसा हो नहीं पा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया में मिली 1.5 करोड़ साल पुरानी मकड़ी

ट्रैपडोर; ऑस्ट्रेलिया में करीब डेढ़ करोड़ साल पुराना एक विशाल ट्रैपडोर मकड़ी ('trapdoor' spider) का जीवाश्म खोजा गया है। यह दुनिया का पहला जीवाश्म है, जो ट्रैपडोर मकड़ी के बड़े ब्रश-पैर वाली फैमिली से जुड़ा है। उसे बैरीचेलिडे (Barychelidae) कहा जाता है। बताया गया है कि यह प्रजाति 1 से 1.6 करोड़ साल पहले मियोसीन में रहती थी। खोजे गए जीवाश्म को मेगामोनोडॉन्टियम मैक्लुस्की (Megamonodontium mccluskyi) कहा गया है। मकड़ी का नाम इसका सैपल खोजने वाले डॉ. साइमन मैक्लुस्की के नाम पर रखा गया है। यह पहली बार नहीं है, जब ऑस्ट्रेलिया में मकड़ी के विशाल जीवाश्म की खोज हुई है। पहले भी 3 बड़े जीवाश्म खोजे जा चुके हैं। न्यू साउथ वेल्स यूनिवर्सिटी के जीवाश्म विज्ञानी डॉ. मैथ्यू मैककरी ने इस खोज को परखा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर उन्होंने यह जानकारी शेयर



की है। स्टडी को जूलॉजिकल जर्नल में पब्लिश किया गया है। स्टडी कहती है कि मकड़ी का जीवाश्म न्यू साउथ वेल्स के मैकग्राथ्स में पाया गया था। यहां पाई जाने वाले चट्टानों में लौह (iron) की अच्छी मात्रा है। बताया गया है कि खोजा गया जीवाश्म मौजूदा प्रजाति से 5 गुना बड़ा है। वर्तमान में ब्रश-फुटेड ट्रैपडोर मकड़ियों की लगभग 300 प्रजातियां जिंदा हैं। ये मकड़ियां ज्यादातर समय अपने बिलों में ही रहती हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह खोज महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे बड़ी मकड़ियों के विलुप्त होने के बारे में जानकारी मिलेगी। ऑस्ट्रेलिया में बड़ी मकड़ियों के अबतक 4 जीवाश्म मिले हैं। इसका मतलब है कि करोड़ों साल पहले इनकी अच्छी तादाद उस इलाके में रही होगी। स्टडी में यह भी बताया गया है कि इस मकड़ी की सबसे करीबी प्रजाति सिंगापुर के घने और पानी से भरपूर जंगलों में पाई जाती थी। अनुमान है कि ऑस्ट्रेलिया से यह वहां के मौसम की वजह से विलुप्त हुई होगी, लेकिन क्या कोई अन्य कारण भी था। आने वाले दिनों में इससे पर्दा हट सकता है।

श्री गणेश प्रतिमा का मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सपरिवार प्रेमपुरा घाट पर किया विसर्जन



कर्मचारी, सुरक्षा स्टाफ, निवास से प्रेमपुरा घाट तक बैंड दल और भजन कीर्तन के साथ वृहद चल समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गणेश महोत्सव उत्साहपूर्वक और आनंद के साथ पूरे प्रदेश में मनाया गया। मुख्यमंत्री निवास पर भी उत्साहपूर्वक उत्सव मनाया गया। भगवान श्री गणेश दस दिन हमारे साथ रहे, उनसे कामना है कि सभी पर उनकी कृपा बनी रहे, सब सुखी हों, निरोगी रहें, सबके कष्ट दूर करें। प्रदेश और देश आगे बढ़े और दुनिया को भी दिशा दिखाए।

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने अनंत चतुर्दशी पर प्रेमपुरा घाट में विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान श्री गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। इसके पूर्व मुख्यमंत्री श्री चौहान की धर्मपत्नी श्रीमती साधना सिंह, पुत्र कार्तिकेय सिंह तथा मुख्यमंत्री निवास कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारी, सुरक्षा स्टाफ, निवास से प्रेमपुरा घाट तक बैंड दल और भजन कीर्तन के साथ वृहद चल समारोह में शामिल हुए। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि गणेश महोत्सव उत्साहपूर्वक और आनंद के साथ पूरे प्रदेश में मनाया गया। मुख्यमंत्री निवास पर भी उत्साहपूर्वक उत्सव मनाया गया। भगवान श्री गणेश दस दिन हमारे साथ रहे, उनसे कामना है कि सभी पर उनकी कृपा बनी रहे, सब सुखी हों, निरोगी रहें, सबके कष्ट दूर करें। प्रदेश और देश आगे बढ़े और दुनिया को भी दिशा दिखाए।

TECH

4 अक्टूबर को भारत में लॉन्च होगी Vivo की V29 सीरीज

चा

इनीज स्मार्टफोन मेकर Vivo की V29 सीरीज अगले सप्ताह लॉन्च होगी। इसके बेस Vivo 5G स्मार्टफोन को इस वर्ष की शुरुआत में इंटरनेशनल मार्केट में पेश किया गया था। इसे भारत में समान स्पेसिफिकेशंस के साथ लाया जाएगा। इसके अलावा इस सीरीज में एक प्रो मॉडल हो सकता है। कंपनी ने V29 सीरीज को 4 अक्टूबर को लॉन्च करने की पुष्टि की है। कंपनी ने इन स्मार्टफोन्स की बिक्री ऑनलाइन और ऑफलाइन जरूरतों से करने की जानकारी दी है। टेक्नोलॉजी कंपनी तथ्यश्रद्धा भी अपनी Pixel 8 सीरीज को अन्य प्रोडक्ट्स के साथ 4 अक्टूबर को Made by Google इवेंट में लॉन्च करने की जानकारी दी है।



Vivo V9 में 6.78 इंच फुल HD+ (2,800 × 1,260 पिक्सल) कर्व्ड AMOLED डिस्प्ले 120 Hz के रिफ्रेश रेट के साथ हो सकता है। इसमें प्रोसेसर के तौर पर क्वालकॉम Snapdragon 778G SoC दिया जा सकता है। इस स्मार्टफोन में 8 तर्बका RAM और 256 GB की स्टोरेज मिल सकती है। इसमें 50 मेगापिक्सल का प्राइमरी कैमरा, 8 मेगापिक्सल का सेंसर और 2 मेगापिक्सल का कैमरा हो सकता है। इसके फ्रंट में सेल्फी और वीडियो कॉल के लिए 50 मेगापिक्सल का सेंसर मिल सकता है। इस सीरीज के बेस वेरिएंट में सिक्वोरिटी के लिए फिंगरप्रिंट सेंसर हो सकता है। इसमें 4,600 mAh की बैटरी 80 W फास्ट चार्जिंग के लिए सपोर्ट के साथ हो सकती है।

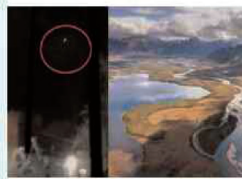
लाइफ स्टाइल

इस जगह से सुनाई देती हैं भूतिया आवाजें

अ

मेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा और सरकार ने हाल ही में यूएफओ और एलियन घटनाओं में अपनी रुचि दिखाई है। इस मौके पर हम दुनिया की एक ऐसी जगह के बारे में जानते हैं जहां कई अजीब घटनाएं देखने को मिलती हैं।

इस जगह को 'अलास्का ट्राइएंगल' के नाम से जाना जाता है। यहां जो हो रहा है उसे सुनकर हर कोई हैरान है। यूएफओ का दिखना, भूतों की आवाज सुनना और विशाल पैरों के निशान देखना यहां आम बात मानी जाती है। 1970 के बाद से 20,000 से अधिक लोग लापता हो गए हैं। एक रिपोर्ट में, यूएफओ देखने वाले प्रत्यक्षदर्शी



वेस स्मिथ का कहना है कि यह एक बहुत ही अलग त्रिकोणीय आकार की ठोस वस्तु थी। यह उन विमानों से अलग उड़ान भर रहा था जिन्हें हम जानते हैं। उस उड़ती हुई चीज से कोई आवाज नहीं आई। स्मिथ ने आगे कहा, 'यह ऐसा था जैसे

आपको जो कुछ भी सिखाया गया था वह सब गायब हो गया। क्योंकि यह कैसे संभव हो सकता है' जहां वेस स्मिथ ने यूएफओ देखा था, वहां से 11 मील दूर रहने वाले माइकल डिलन का कहना है कि उन्होंने ऐसी ही एक घटना को अपने कैमरे में कैद किया है। जिसमें तेजी से ऊपर की ओर जाने से पहले बादलों में एक रोशनी दिखाई दी। उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट था कि हमने जो देखा वह कोई प्राकृतिक घटना नहीं थी, कोई भी इंसान उस गति से कुछ भी नहीं उड़ा सकता। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में किसी भी अन्य जगह की तुलना में गुमशुदगी के सबसे ज्यादा अनसुलझे मामले हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, एक चैनल की नई डॉक्यूमेंट्री में रहस्यमय यूएफओ देखने वाले चश्मदीदों का इंटरव्यू किया गया है। 1970 के दशक से दक्षिण में एंकोरेज और जूनो से लेकर उत्तरी तट पर उत्कियागविक तक के क्षेत्र में 20,000 से अधिक लोग गायब हो गए हैं। इसके अलावा यहां बड़े पैरों के निशान भी मिले हैं। लोगों को लगता है कि कोई बड़ा मांस खाने वाला जीव उन्हें ले गया है। लापता मामलों की संख्या राष्ट्रीय औसत से दोगुनी है। बचावकर्मियों ने बताया है कि लापता लोगों की तलाश करते समय उन्हें चक्कर और बेचैनी महसूस हुई और भूतिया आवाजें सुनाई दीं। यहां रात के समय आसमान में रोशनी दिखने की घटना भी एक रहस्य बनी हुई है। कुछ लोगों का मानना है कि यू.एस.अमेरिका के सैन्य अधिकारियों को उनके परीक्षण रेंजों पर यूएफओ की उपस्थिति के बारे में सब कुछ पता हो सकता है।

अक्टूबर में बना रहे हैं घूमने का प्लान

दुनियाभर में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र पर्यटन संगठन ने 1980 में की थी। विश्व में कई पर्यटन स्थल मौजूद हैं लेकिन आज आपको भारत के फेमस जगहों के बारे में बताएंगे जहां आप अक्टूबर महीने में घूमने जा सकते हैं।

दुनियाभर में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक जगहें मौजूद हैं। ऐसे में घूमने-फिरने के शौकीन लोगों को जब भी टाइम मिलता है, घूमने का मौका नहीं छोड़ते। पर्यटकों के लिए ट्रेवल एजेंसियों से लेकर रेस्टोरेंट या होटल तक नई-नई स्कीम निकालते हैं। अगर आप भी घूमना चाहते हैं, लेकिन समय की कमी के कारण आप कहीं घूमने नहीं जा रहे हैं, तो ऐसे में अक्टूबर आपके लिए बेस्ट महीना साबित हो सकता है। इस महीने में कई छुट्टियां मिलेंगी, तो देश के इन जगहों जरूर एक्सप्लोर करें।

हिमाचल प्रदेश

हिमाचल प्रदेश में घूमने के लिए एक से बढ़कर एक जगहें हैं। अगर आप घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां घूमने के लिए अक्टूबर महीना सबसे अच्छा है। आप यहां प्रकृति के सुंदर दृश्यों का आनंद ले सकते हैं। अक्टूबर का महीना पैराग्लाइडिंग करने के लिए बेस्ट माना जाता है। अगर आप एडवेंचर लवर्स हैं, तो हिमाचल प्रदेश में इस एक्टिविटी का भी आनंद ले सकते हैं।

नैनीताल

नैनीताल पर्यटकों के बीच काफी लोकप्रिय है। यहां साल भर सैलानियों की भीड़ लगी रहती है, आप हर मौसम में इस शहर की खूबसूरती को देख सकते हैं। यह पर्यटकों की पसंदीदा जगहों में से एक है। अगर आप वीकेंड पर घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो नैनीताल बेस्ट ऑप्शन हो सकता है।

गोवा

अक्टूबर में घूमने के लिए गोवा भी शानदार विकल्प है। यहां का अंजुना बीच काफी फेमस है। इस बीच को देखने देश-विदेश से लोग आते हैं। इसके अलावा आप यहां वागाटोर बीच, बम्बोलिम बीच बस्तरिया मार्केट आदि जगहों का दीदार कर सकते हैं।

जैसलमेर

जैसलमेर को गोल्डेन सिटी के नाम से भी जाना जाता है। यह राजस्थान के खूबसूरत शहरों में से एक है। यहां के किले, हवेलियां और धार्मिक स्थल भी पर्यटकों के बीच काफी

लोकप्रिय हैं। जैसलमेर की पाटवों की हवेली काफी प्रसिद्ध है, इसे देखने के लिए सैलानियों की भीड़ लगी रहती है। अगर आप जैसलमेर घूमने जाएं, तो बड़ा बाग, जैसलमेर का किला, गड़ीसर झील देखना न भूलें।



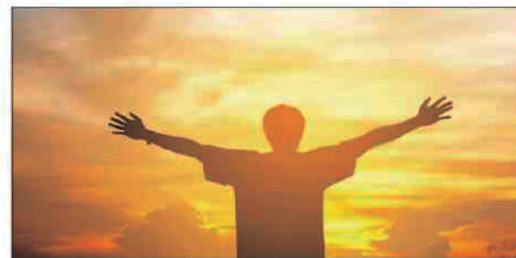
आगरा

आगरा का ताजमहल किसी परिचय का मोहताज नहीं है। यह देश ही नहीं बल्कि विदेशों में भी प्रसिद्ध है। यह अपनी खूबसूरती से पर्यटकों का मन मोह लेता है। ताज का दीदार करने के लिए लोगों की बड़ी भीड़ लगती है। इसके अलावा भी आगरा में कई प्रसिद्ध जगहें हैं। मेहताबाग, आगरा रेड फोर्ट, फतेहपुर सीकरी भी आगरा के मशहूर पर्यटन स्थल हैं।

मेहताबाग, आगरा रेड फोर्ट, फतेहपुर सीकरी भी आगरा के मशहूर पर्यटन स्थल हैं।



अब वो दिन दूर नहीं जब 120 साल तक जी पाएगा इंसान



एक व्यक्ति की उम्र उसके जैनेटिक्स वातावरण और लाइफस्टाइल पर निर्भर करती है। जब से विज्ञान और टेक केयर सेक्टर में विकास हुआ है तभी से दुनियाभर में लोगों की उम्र बढ़ी है। आज साइंस के पास ज्यादातर बीमारियों का इलाज या वैकसीन उपलब्ध है। इनमें वर बीमारियां भी शामिल हैं गिनकी वगैरह से कुछ दशक पहले लोगों ने अपनी जान भी बचाई।

शताब्दी की शुरुआत के बाद से दुनिया में विज्ञान और स्वास्थ्य देखभाल ने तेजी से प्रगति की है, जिसकी वजह से मनुष्य जीवन काल भी बढ़ा है। यानी अब मनुष्यों की उम्र पहले के मुकाबले बढ़ी है। वैकसीन के साथ उचित उपचार सुविधाओं की मदद से मनुष्य ऐसी कई बीमारियों को नात दे रहा है, जिन्हें कुछ दशक पहले घातक माना जाता था।

स्वास्थ्य और विज्ञान के क्षेत्र में इसी तरह विकास होता रहा, तो वो दिन दूर नहीं जब मनुष्य 120 साल की उम्र तक आसानी से जी पाएंगे। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, डॉ. अर्नेस्ट डॉन श्वाब का मानना है कि इस सदी के अंत तक मनुष्यों के लिए 150 साल तक जीना सम्भव हो जाएगा और वह इसका श्रेय स्ट्रेम सेल रिसर्च को देते हैं।

कोन हैं डॉ. अर्नेस्ट? डॉ. अर्नेस्ट सीडर्स सिनाई मेडिकल सेंटर, यूसीएलए में डेविड गेफेन स्कूल ऑफ मेडिसिन और दक्षिणी कैलिफोर्निया अस्पताल के हार्ट इंटीग्रेटेड में रिप्ले बोर्ड-प्रमाणित इंटीग्रेटर, हृदय रोग विशेषज्ञ और हार्ट ट्रांसप्लांट हृदय रोग विशेषज्ञ हैं। उन्होंने सीकेटीएस ऑफ इन्फेक्टिविटी और दी सीकेटी वर्ल्ड ऑफ स्ट्रेम सेल थैरेपी जैसी किताबें लिखी हैं। डॉ. अर्नेस्ट ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि स्ट्रेम सेल थैरेपी जैसी किताबें लिखी हैं। डॉ. अर्नेस्ट ने न्यूयॉर्क पोस्ट को बताया कि स्ट्रेम सेल थैरेपी जैसी किताबें लिखी हैं।

या 150 साल तक जी पाएंगे। क्या कल्पना है रिसर्च? डॉ. अर्नेस्ट ने साथ ही यह भी साफ किया कि मनुष्य 120-150 साल जिएने लेकिन बिस्तर पर अग्रणी जगत में नहीं, बल्कि हेल्दी जीवन जी पाएंगे। एक्सपर्ट्स का तथ्य भी यही है कि लोग लंबा जिए ताकि वे सोशल, प्रोफेशनल और क्वैलिटी लाइफ जी पाएं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इसे हासिल करने के लिए अतिरिक्त मेहनत भी करनी होगी, जैसे स्वस्थ आहार और योगा एक्सरसाइज करनी होगी। उन्होंने बताया कि 30 की उम्र पार करने के बाद लंबी उम्र के लिए लोगों को अपनी लाइफस्टाइल में हेल्दी बदलाव करने की जरूरत होती है।

स्ट्रेम सेल रिसर्च के बारे में बात करते हुए डॉ. अर्नेस्ट ने कहा, र पिछले कुछ सालों में, हम रिप्लेक्टिव दवाओं से सिंपल लेकर स्ट्रेम सेल थैरेपी से बनने वाली शैनेसेटिव दवाओं पर आ गए हैं। हालांकि, स्ट्रेम सेल को FDA ने अनुमति नहीं दी है, लेकिन दवाओं का भविष्य यही है, जहां हम नुकसान की भरपाई कर सकेंगे। स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाने पर उसे ठीक किया जाएगा ताकि उम्र लंबी हो।

फ्रांस की जीन के नाम है लंबी उम्र जीने का रिकॉर्ड। आधिकारिक रिकॉर्ड्स को देखा जाए, तो मानव इतिहास में अभी तक सिर्फ एक शास्त्र ऐसा हुआ है जो 120 साल की उम्र तक गया है। फ्रांस की जीन के नाम है लंबी उम्र जीने का रिकॉर्ड। आधिकारिक रिकॉर्ड्स को देखा जाए, तो मानव इतिहास में अभी तक सिर्फ एक शास्त्र ऐसा हुआ है जो 120 साल की उम्र तक गया है। फ्रांस की जीन के नाम है लंबी उम्र जीने का रिकॉर्ड।

शिकंजी पीने से यूरिक एसिड कम हो सकता है?

हाई यूरिक एसिड में शिकंजी: हाई यूरिक एसिड की समस्या आजकल लोगों के लिए आम होती जा रही है। स्थिति ऐसी है कि बहुत से लोग गाउट और यूरिक एसिड की समस्या की शिकायत करते नजर आ जायेंगे। लेकिन, ये समस्या गंभीर है और समय के साथ ये आपकी हड्डियों का रंग-रूप बदल सकती है। दरअसल, इस बीमारी में शरीर प्रोटीन नहीं पचा पाता है और प्रोटीन से निकलने वाला बेस्ट प्रोडक्ट हड्डियों के बीच प्यूरिन की पथरियों के रूप में इकट्ठा होने लगता है। इसकी वजह से हड्डियों में गैप आने लगता, सूजन रहती है और ये दर्द का कारण बनता है। ऐसे में एक देसी ड्रिंक शिकंजी (benefits of drinking shikanji) कैसे आपकी मदद कर सकता है। जानते हैं इस बारे में विस्तार से।

शिकंजी पीने से यूरिक एसिड कम हो सकता है और प्यूरिन मेटाबोलिज्म में तेजी आ सकती है। ये कैसे तो आपको इसकी रिसिपी पर एक नजर डालना होगा कि इसमें क्या-क्या मिलाया जाता है। जैसे कि शिकंजी में नींबू का रस, काला नमक, काली मिर्च, भुना जीरा और सोडा मिलाया जाता है। सोडा कई बार नहीं भी मिलाया जाता है। ऐसे में नींबू जो कि विटामिन सी और साइट्रिक एसिड से भरपूर है प्यूरिन की पथरियों को पिघलाने में मदद कर सकता है।

इसके अलावा काला नमक जो कि डिटॉक्सीफाईडिंग एजेंट की तरह काम करता है वो पानी की मदद से यूरिक एसिड को फलश आउट करने में मददगार है। साथ ही काली मिर्च एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है और दर्द को कम करने में मददगार है। इन सब के इतर भुना जीरा और सोडा पेट का मेटाबोलिक रेट बढ़ाता है जिससे प्यूरिन मेटाबोलिज्म में तेजी आती है। तो, इस तरह जो लोग हाई यूरिक एसिड के मरीज हैं वो शिकंजी भी सकते हैं। ये उनके लिए हर प्रकार से फायदेमंद है। इतना ही नहीं ये पेट साफ करने और शरीर की बाकी गतिविधियों को भी तेज करने में मददगार है। ये वेट लॉस, डायबिटीज और लिवर डिटॉक्स में भी कारगर है। इसके अलावा इसे पीने से शरीर में इलेक्ट्रोलाइट की कमी नहीं होती और गैस व एसिडिटी से भी बचाव होता है।

दुनियाभर में फेमस है कश्मीरी कहवा

कश्मीरी कहवा दुनियाभर में काफी फेमस है। लोग भारत आते हैं और जब भी कश्मीर की बात आती है वो काहवा का नाम जरूर लेते हैं। इसके अलावा जब हम लोग कश्मीर जाते हैं कहवा पीकर आने की कोशिश करते हैं। लेकिन, सवाल ये है कि कहवा है क्या, क्यों फेमस है और इसकी खास बात क्या है। तो, बता दें कि कहवा असल में एक कश्मीरी चाय है जो कि लगभग 11 चीजों से बनी होती है। इन 11 चीजों में अलग-अलग प्रकार के इंग्रेडिएंट्स को एड किया जाता है जिसमें कई प्रकार से ड्राई फ्रूट्स और मसाले होते हैं। तो, जानते हैं कहवा की रिसिपी और इन्हें पीने के फायदे के बारे में।

कहवा चाय की रिसिपी- कहवा बनाने के लिए इन चीजों को शामिल किया जाता है। जैसे -कश्मीरी ग्रीन टी -बारीक कटे बादाम -दालचीनी -लौंग -काली मिर्च -सौंठ -बनशका -हरी इलायची -गोंफ -सुखे गुलाब की पंखुड़ियां -केसर



बनाने की विधि कहवा बनाने के लिए सॉसपेन चढ़ा लें और इसमें 1 गिलास पानी डालें। जितने लोग हो उस हिसाब से पानी डालें। अब इसमें बारीक कटे बादाम डालें। 1 से 2 दालचीनी डालें। 1 लौंग डालें और 2 से 3 काली मिर्च डालें। इसके बाद इसमें थोड़ा सा सौंठ पाउडर मिलाएं। फिर 1 छोटी चम्मच सौंफ डालें। इसके बाद इसमें 3 से 4 हरी इलायची और थोड़ा सा बनशका मिलाएं। उसके बाद सुखे गुलाब की पंखुड़ियां, केसर और कश्मीरी ग्रीन टी डालकर अच्छी तरह से उबाल लें। कुछ देर चाय पकने दें और इसे छान लें। मिठास के लिए इसमें शहद मिलाएं और फिर इसका सेवन करें। तो, इस

प्रकार से आप इसे अपने घर में भी बना सकते हैं। **कश्मीरी कहवा के फायदे-** ये चाय इम्युनिटी बूस्टर है और कई बीमारियों से बचाव में मदद कर सकती है। दरअसल ये शरीर में गर्मी पैदा करती है जिससे शरीर कई गंभीर बीमारियों से बचा रहता है। इसके अलावा इस चाय में कई एंटीऑक्सीडेंट्स हैं जो कि न्यूरोल बीमारियों से भी बचाव में मददगार है। इतना ही नहीं ये एंटी बैक्टीरियल गुणों से भी भरपूर है जो कि आपको कई मौसमी इन्फेक्शन से भी बचाव में मदद कर सकती है। तो, अगर कभी आपने कहवा नहीं पिया है तो इन कारणों की वजह से भी आपको इसे पीना चाहिए।

पावरफुल बीजों की मदद से सफेद बालों को काला करने के लिए घर में बनाएं तेल

सफेद बालों को काला करने वाला तेल: क्या आपके बाल तेजी से सफेद हो रहे हैं? क्या हर दिन इनकी रंगत खोती जा रही है तो ये सब हेयर केयर से जुड़ी कमियों का संकेत है। जैसे तेल न लगाना। अगर आप हफ्ते में 1 से 2 बार अपने बालों की ऑयलिंग नहीं करते हैं तो इससे आपके बालों का नुकसान हो सकता है। तेज धूप और वातावरण के हानिकारक तत्व आपके बालों को डैमेज कर सकते हैं और फिर फाइन रेडिक्स इनके टेक्सचर और रंगत को प्रभावित कर सकते हैं। ऐसे में आप अपने बालों के लिए इस तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं।

सफेद बालों के लिए कलौंजी और काले तिल का तेल सफेद होते बालों के लिए आप कलौंजी और काले तिल का तेल बना सकते हैं।

पहले तो ये कोलेजन के नुकसान को रोकते हैं। इसके बाद ये बालों की रंगत बढ़ाते हैं और इन्हें सफेद होने से बचाते हैं। इसके अलावा तिल और कलौंजी के बीजों में कुछ एंटीऑक्सीडेंट्स भी होते हैं जो कि इनको बाहरी डैमेज से बचाने के साथ अंदर से पोषण देते हैं। इसके अलावा इन बीजों का हाई प्रोटीन बालों की ग्रोथ बढ़ाने में मददगार है। साथ ही ये तेल स्कैल्प इन्फेक्शन से बचाने और स्कैल्प में सूजन को रोकने में मददगार है।

कैसे बनाएं कलौंजी और काले तिल का तेल कलौंजी और काले तिल का तेल बनाने के लिए सबसे पहले सरसों का तेल लें और इसे गर्म करें। इसमें काला तिल और कलौंजी रख लें। अब इस तेल को गैस पर रखें पर,

आंच बंद कर दें। यानी कि गर्म तेल में ही इसे मिलान दें। इसके बाद देखें कि इस तेल का रंग काला हुआ या नहीं। अगर नहीं हुआ तो तेल को एक बार फिर गर्म करें और कुछ देर में ही आंच बंद कर दें। ध्यान रखें कि ये बीज जले नहीं।

अब इस तेल को छान लें और इसे अपने बालों की जड़ों में लगाएं। इसके बाद हल्की-हल्की मालिश करते रहें। इसे ऐसे करें कि तेल बालों में अंत तक पहुंच जाए। अब लगभग 35 मिनट की मालिश के बाद बालों को ऐसे ही छोड़ दें। लगभग एक से दो घंटे बाद बालों को वॉश कर लें। बस तो, ये काम रेगुलर करते रहें। इसकी आपके बालों की रंगत बनी रहेगी।



बची हुई खिचड़ी का क्या करें? ये सोचकर परेशान न हों

बची हुई खिचड़ी की रिसिपी: कुछ घरों में नियमित रूप से खिचड़ी बनती है। ऐसे में कई बार खिचड़ी ज्यादा बन जाती है और बच जाती है तो इसे फेंकना पड़ जाता है। हालांकि, कुछ लोग इसे खाने की

क्रिएटिव बदलाव करें तो

1. **खिचड़ी पराठा** बची हुई खिचड़ी से आप पराठा बना सकते हैं। आपको करना ये है कि बची हुए खिचड़ी को थोड़ा सा गाढ़ा कर लें और फिर इसे आटे में मिलाकर,

खिचड़ी (leftover khichdi recipe) से आप कैसे इन चीजों को तैयार कर सकते हैं, क्या है इनकी रिसिपी जानते हैं इन तमाम चीजों के बारे में विस्तार से।

पराठे का आटा गुंल लें। इस पराठे में आप अपनी तरफ से अजवाइन, हरी मिर्च, बारीक कटी लहसुन, अदरक और धनिया पत्ता डाल सकते हैं। थोड़ा नमक भी मिला सकते हैं। अब नॉर्मल पराठे की तरह इसका पराठा बनाएं।

2. **खिचड़ी इडली** बची हुए खिचड़ी से आप इडली बना सकते हैं। आपको करना ये है कि खिचड़ी को मिक्सर में चलाएं और इसमें थोड़ा सा सोडा या ईनो मिला लें। आप चाहें तो इसमें ऊपर से प्याज, गाजर और बाकी सब्जियां भी काटकर मिला सकते हैं। इसके बाद इस बैटर को कुछ देर ऐसे ही रहने दें। फिर नॉर्मल इडली की तरह इसे इडली वाले बर्तनों में डालकर बनाएं। ध्यान रखें कि खिचड़ी थोड़ी गाढ़ी होने चाहिए।

3. **खिचड़ी से बनाएं टिक्की** खिचड़ी की टिक्की आप आसानी से बना सकते हैं। इसके लिए पहले खिचड़ी का पानी पूरी तरह से खूखे लें। इसके बाद बेसन में मिलाकर इसे अच्छी तरह से गूंथ लें। इसमें ऊपर से

धनिया पत्ता, प्याज और हरी मिर्च काटकर मिला लें। थोड़ा सा अजवाइन और सरसों तेल मिलाएं। इसके बाद इसकी टिक्की तैयार करें और इसे तवे पर रख कर धीमी आंच पर पकाएं। इस दौरान थोड़ा-थोड़ा सा तेल आस-पास डालते रहें। अच्छे से पकाएं और फिर इसे सर्व करें।

4. **खिचड़ी से बनाएं बिरयानी** खिचड़ी से बिरयानी बनाने के लिए पहले खिचड़ी को अच्छी तरह से गूंथ लें। इसके बाद इसे तवे पर रख कर धीमी आंच पर पकाएं। इस दौरान थोड़ा-थोड़ा सा तेल आस-पास डालते रहें। अच्छे से पकाएं और फिर इसे सर्व करें।

5. **खिचड़ी से बनाएं बिरयानी** खिचड़ी से बिरयानी बनाने के लिए पहले खिचड़ी को अच्छी तरह से गूंथ लें। इसके बाद इसे तवे पर रख कर धीमी आंच पर पकाएं। इस दौरान थोड़ा-थोड़ा सा तेल आस-पास डालते रहें। अच्छे से पकाएं और फिर इसे सर्व करें।

6. **खिचड़ी से बनाएं बिरयानी** खिचड़ी से बिरयानी बनाने के लिए पहले खिचड़ी को अच्छी तरह से गूंथ लें। इसके बाद इसे तवे पर रख कर धीमी आंच पर पकाएं। इस दौरान थोड़ा-थोड़ा सा तेल आस-पास डालते रहें। अच्छे से पकाएं और फिर इसे सर्व करें।

7. **खिचड़ी से बनाएं बिरयानी** खिचड़ी से बिरयानी बनाने के लिए पहले खिचड़ी को अच्छी तरह से गूंथ लें। इसके बाद इसे तवे पर रख कर धीमी आंच पर पकाएं। इस दौरान थोड़ा-थोड़ा सा तेल आस-पास डालते रहें। अच्छे से पकाएं और फिर इसे सर्व करें।

हरित हाइड्रोजन से चलित देश की पहली बस का अनावरण

एजेंसी/ नई दिल्ली

देश की दिग्गज पेट्रोलियम कंपनी इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) ने सोमवार को हरित हाइड्रोजन से चलने वाली देश की पहली बस का अनावरण किया। खास बात यह है कि यह बस सिर्फ पानी का उत्सर्जन करती है। आईओसी नवीकरणीय स्रोतों से बिजली का इस्तेमाल कर पानी के कणों को अलग कर 75 किलोग्राम हाइड्रोजन का उत्पादन करेगी। यह हाइड्रोजन प्रायोगिक तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में चलने वाली दो बसों में इस्तेमाल किया जाएगा। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने इन हाइड्रोजन-चालित बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन ने किया बस का अनावरण, यह बस सिर्फ पानी का उत्सर्जन करती है

एक बार में 350 किलोमीटर तक दौड़ सकेगी

इस मौके पर उन्होंने कहा कि हाइड्रोजन भारत में जीवाश्म ईंधन की खपत रोकने में एक बदलावकारी ईंधन की भूमिका निभाएगा। इंडियन ऑयल का फरीदाबाद स्थित शोध एवं विकास केंद्र फिलहाल प्रायोगिक तौर पर हरित हाइड्रोजन का उत्पादन कर रहा है। हरित हाइड्रोजन के 30 किलोग्राम क्षमता वाले चार सिलेंडर से तैस बस 350 किलोमीटर दूरी तक दौड़ सकती है।



बसों की संख्या बढ़ाकर 15 की जाएगी

पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि वर्ष 2023 के अंत तक इंडियन ऑयल हाइड्रोजन से चलने वाली बसों की संख्या को बढ़ाकर 15 तक ले जाएगी। इन बसों को दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में चिह्नित मार्गों पर संचालित किया जाएगा।

सिलेंडर को भरने में 10-12 मिनट लगेगा

इन सिलेंडर को भरने में 10-12 मिनट का समय लगता है। ईंधन के तौर पर हाइड्रोजन के इस्तेमाल में खासियत यह है कि इससे सिर्फ पानी का माप ही उत्सर्जित होता है। हानिकारक उत्सर्जक तत्वों के नदारद होने और ऊर्जा सघनता तिगुनी होने से हाइड्रोजन एक स्वच्छ एवं अधिक कारगर विकल्प के तौर पर उभर रहा है।

सेंसेक्स, निफ्टी में मामूली लाभ, चार दिन से जारी गिरावट पर विराम



एजेंसी/ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में पिछले चार कारोबारी सत्रों से जारी गिरावट पर सोमवार को अंकुश लगा और बीएसई सेंसेक्स मामूली 14.54 अंक के लाभ में रहा। वैश्विक स्तर पर कमजोर रुख और विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान 461.6 अंक ऊपर-नीचे हुआ। अंत में यह 14.54 अंक यानी 0.02 प्रतिशत की

मामूली तेजी के साथ 66,023.69 अंक पर बंद हुआ निफ्टी भी मामूली 0.30 अंक की बढ़त के साथ 19,674.55 अंक पर बंद हुआ। वित्तीय, टिकाऊ उपभोक्ता सामान, रियल्टी और बैंक शेयरों में जो लाभ हुआ, वह आईटी, तेल एवं गैस तथा दवा कंपनियों के शेयरों में नुकसान से जाता रहा। इससे पहले शुक्रवार तक पिछले चार कारोबारी सत्रों में निफ्टी 518 अंक यानी 3.37 प्रतिशत नीचे आया था, जबकि सेंसेक्स 1,829 अंक यानी तीन प्रतिशत प्रतिशत टूटा था।

बजाज फाइनेंस में रही मजबूती

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में बजाज फाइनेंस सबसे ज्यादा 4.64 प्रतिशत मजबूत हुआ। इसके अलावा बजाज फिनसर्व, कोटक महिंद्रा बैंक, एशियन पेंट्स, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, एनटीपीसी, जेएसडब्ल्यू स्टील और टाटा स्टील प्रमुख रूप से लाभ में रहे।

इंफोसिस रहा नुकसान में

दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा, विप्रो, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इंडसइंड बैंक और एचसीएल टेक्नोलॉजीज शामिल हैं। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, “आज का कारोबार मिला-जुला रहा।

देश के सबसे बड़े स्टॉक एक्सचेंज को सेबी से मंजूरी मिलने का इंतजार जल्द आधी रात तक एनएसई में एफएंडओ ट्रेडिंग कर सकेंगे

एजेंसी/ नई दिल्ली

देश का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज एनएसई एफएंडओ ट्रेडिंग में घंटे बढ़ाने पर कार्य कर रहा है। अगर इसे लागू कर दिया जाता है तो एफएंडओ के निवेशक लंबे समय तक ट्रेडिंग कर सकते हैं। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज इसमें आधी रात तक ट्रेडिंग करने का विकल्प दे सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रस्ताव में सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे के बाद शेयर मार्केट क्लोज होने के बाद भी एफएंडओ में कारोबार किया जा सकता है। संभवतः शाम 6 बजे से 9 बजे के बीच ट्रेडिंग की जा सकती है।



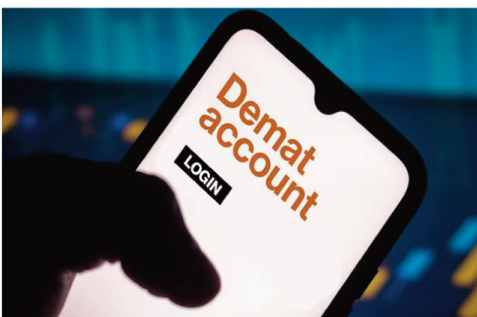
स्टॉक ट्रेडिंग का भी बढ़ सकता है समय

ट्रेडिंग का समय एक्सचेंजों के व्यापार की मात्रा को भी बढ़ा सकता है। सूत्रों ने बताया कि एनएसई ने अपनी योजना मंजूरी के लिए सेबी को सौंप दी है। वहीं नियामक ने पहले ही ऐसे नियम बना लिए हैं, जो एक्सचेंजों को एफएंडओ ट्रेडिंग रात 11:55 बजे तक और स्टॉक ट्रेडिंग शाम 5 बजे तक खुला रखने की अनुमति देते हैं।

क्या है एनएसई की योजना

एक्सचेंज ने पिछले कुछ महीने में शाम के ट्रेडिंग के लिए टॉप ब्रोकरों और अन्य मार्केट से जुड़े लोगों के साथ चर्चा की है। एनएसई इसे एक सही तरीके से पेश करने पर विचार कर रहा है। इसकी योजना निफ्टी और बैंक निफ्टी समेत एफएंडओ शाम के सत्र में शुरू करने की है।

अगस्त में डीमैट खाते 26 प्रतिशत बढ़े



नई दिल्ली। शेयर बाजारों से आकर्षक रिटर्न और खाता खोलने की प्रक्रिया सुगम होने की वजह से अगस्त, 2023 में डीमैट खातों की संख्या सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर 12.7 करोड़ हो गई है। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के एक विश्लेषण के अनुसार, जुलाई के 30 लाख की तुलना में अगस्त में नए खातों की संख्या मासिक आधार पर 4.1 प्रतिशत बढ़कर अगस्त में 31 लाख हो गई। आंकड़ों के अनुसार, अगस्त, 2023 के अंत में दो डिपॉजिटरी एनएसडीएल और सीडीएसएल के साथ कुल 12.7 करोड़ डीमैट खाते पंजीकृत थे, जबकि एक साल पहले यह संख्या 10.1 करोड़ थी। जुलाई के अंत में डीमैट खातों की संख्या 12.3 करोड़ थी। सेबी के आंकड़ों के अनुसार, अगस्त के अंत में कुल 12.7 करोड़ में से 3.3 करोड़ और 9.35 करोड़ डीमैट खाते क्रमशः एनएसडीएल तथा सीडीएसएल के साथ पंजीकृत थे।

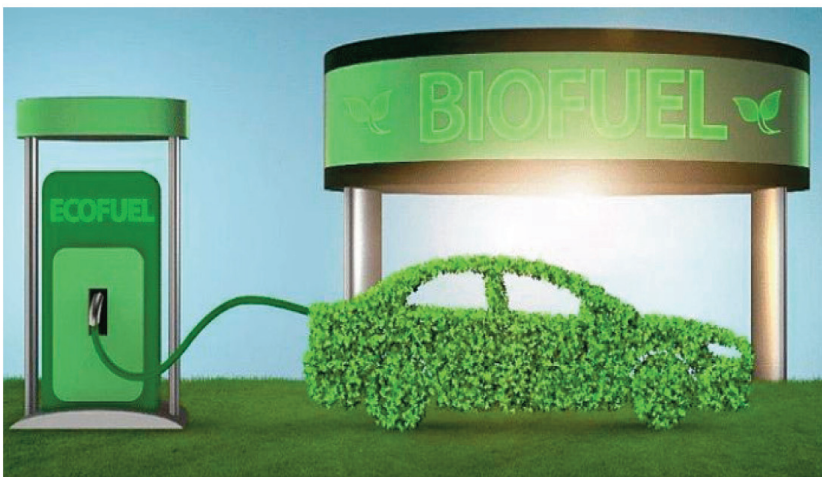
भारत में जैव ईंधन के लिए नौ मानक विकसित

एजेंसी/ नई दिल्ली

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने सोमवार को कहा कि उसने जैव ईंधन पर नौ मानक विकसित किये हैं। इसके साथ वह पैराफिनिक (हरित) डीजल के लिये मानक विकसित करने की प्रक्रिया में है।

बीआईएस के महानिदेशक प्रमोद कुमार तिवारी ने कहा कि ये मानक वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (जीबीए) के उद्देश्य को पूरा करेंगे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जीबीए की घोषणा हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान की थी।

तिवारी ने एक बयान में कहा, ‘हम प्रासंगिक भारतीय मानकों और आवश्यक गुणवत्ता मापदंडों/प्रदर्शन विशिष्टताओं के विकास के साथ सरकार की इस अग्रणी पहल का समर्थन करने को प्रतिबद्ध हैं।’ तिवारी ने कहा कि



पैराफिनिक डीजल के लिये मानक के मामले में भी काम जारी है। इसे दूसरी पीढ़ी के ईंधन (जैव ईंधन आदि) के जरिये प्रसंस्करण कर प्राप्त किया जाता है। खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले

बीआईएस के अनुसार, अमेरिका, ब्राजील और भारत जैव ईंधन के प्रमुख उत्पादक और उपभोक्ता हैं। इन तीन देशों का सामूहिक रूप से वैश्विक स्तर पर एथनॉल के 85 प्रतिशत उत्पादन और 81 प्रतिशत खपत में योगदान है।

प्रस्तावित ई-कॉमर्स नीति में स्वतंत्र नियामक नहीं

एजेंसी/ नई दिल्ली

प्रस्तावित ई-कॉमर्स नीति में ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं के लिए एक स्वतंत्र नियामक स्थापित करने का कोई प्रावधान नहीं किया गया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह बात कही।

अधिकारी ने ग्राहकों से संबंधित निजी आंकड़ों के संरक्षण के मुद्दे पर कहा कि प्रस्तावित ई-कॉमर्स नीति में उस क्षेत्र को समाहित नहीं किया जाएगा और ई-कॉमर्स कंपनियों को डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम का पालन करना होगा।

प्रस्तावित राष्ट्रीय ई-कॉमर्स नीति अभी विकास के अंतिम चरण में है। अब हितधारकों के विचार जानने के लिए कोई



नया मसौदा नहीं जारी किया जाएगा क्योंकि मंत्रालय ने यह प्रक्रिया पूरी कर ली है।

इस अधिकारी ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर कहा, ‘मंत्रालय को प्रधानमंत्री कार्यालय के समक्ष प्रस्तावित नीति पर प्रस्तुति देनी है।

इस क्षेत्र के लिए कोई नियामक स्थापित करने की कोई योजना नहीं है, कम-से-कम निकट भविष्य में नहीं। फिलहाल ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।’